डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
27 फरवरी 2024 मंगलवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
17 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

सीएम यादव ने कहा-चुनौती बड़ी मगर राज्य सरकार प्रतिबद्ध....

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर मंथन के लिए जुटे शिक्षाविद् और विचारक

सीएम व राज्यपाल ने की शुरूआत

राज्यपाल मंगु भाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज भोपाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा विविध संदर्भ पर दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया।

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अन्तर्गत 'भारतीय ज्ञान परम्परा - विविध संदर्भ' विषय को केन्द्र में रखकर दो दिनी मंथन की शुरूआत आज सुबह नूतन कालेज में राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री मोहन यादव ने की। प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग तथा मप्र हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में यह मंथन शुरू किया गया है। इस मौके पर सीएम यादव ने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को आगे ले जाने की बड़ी चुनौती को अपने हाथ में लिया है। आश्वस्त करता हूं कि आज के इस दौर में विभाग को जिन संसाधनों की आवश्यकता होगी, मैं पूर्ण रूप से उसमें मदद करने के लिए तैयार रहूंगा। उन्होंने कहा भारतीय ज्ञान परंपरा के क्षेत्र में विश्वविद्यालयों में शोध को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। भारतीय संस्कृति और परंपरा, ज्ञान को किसी सीमा में बांधने पर विश्वास नहीं करती है। ऋग्वेद में कहा गया है कि ज्ञान जहां से भी आए उसे स्वीकार करना चाहिए ,उसका स्वागत होना चाहिए। पश्चिम में पेटेंट की व्यवस्था है, जो ज्ञान से हित अर्जन पर आधारित है। जबकि भारत में ऋषि परंपरा को किसी राज्य की सीमा में नहीं रोका गया।

इस कार्यशाला में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिपालन में नवीन पाठयक्रम निर्माण के लिए गठित केन्द्रीय अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष तथा चयनित सदस्य, विभिन्न विषयों के लिए मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के माध्यम से पाठ्यक्रमों के लेखक प्राध्यापक, ई-कन्टेंट (ई-लर्निंग मटेरियल) तैयार कर रहे प्राध्यापक सहित 500 से अधिक शिक्षाविद एवं प्रसिद्ध विचारक भी सम्मिलित हैं। कार्यक्रम के मंच पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने शासकीय सरोजिनी नायडू कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय का 860.82 लाख रुपये की लागत से विस्तारीकरण एवं नवीनीकरण और 617.82 लाख की लागत से शासकीय महाविद्यालय, सिराली हरदा के नवीन भवन का लोकार्पण सिंगल क्लिक के माध्यम से किया।

गलत इतिहास पढाने की परंपराः उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा जब इतिहास लिखा गया तो एक लुटेरे को महान लिख दिया गया। ईसा के 550 साल पहले ईरान से एक हकमनी नाम का लुटेरा आया। तीसरा लुटेरा यूनान से आया। कई बार कहते हैं कि भारत तो आर्थिक रूप से बहुत कमजोर देश रहा है। मगर दुनिया के लुटेरे भारत आए, इसका मतलब भारत एक समृद्धशाली राष्ट्र था। जो लुटेरा, भारत को जीत नहीं सका, वो विश्व विजेता कैसे हो सकता है। वह पोरस कभी चंद्रगुप्त मौर्य से तो लड़ नहीं सका। लेकिन, इतिहास के पन्नों में दर्ज कर गया कि जो जीता वही सिकंदर।

भाजपा उम्मीदवारों का पैनल आज, कांग्रेस का कल

मध्यप्रदेश की लोकसभा सीटों के लिये भाजपा उम्मीदवारों का पैनल आज शाम बनेगा। भाजपा कार्यालय में इसके लिये चुनाव समिति की बैठक हो रही है। इसमें चुनाव प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, अध्यक्ष वीडी शर्मा सहित चुनाव समिति के सदस्य मौजूद रहेंगे। बताया जता है कि आज 23 सीटों पर पैनल बनाकर हाइकमान को भेजे जाएंगे। भाजपा ने छह उन सीटों के लिये रायशुमारी करके रिपोर्ट हाइकमान को भेज दी है,जहां के सांसदों को विधायक का चुनाव लडाया गया है। वहीं कांग्रेस उम्मीदवार तय करने सीईसी की बैठक कल दिल्ली में हो रही है।

राज्यसभा चुनाव:उप्र व कर्नाटक में सस्पेंस

सीटें 15 व प्रत्याशी 18 क्रास वोटिंग की आशंका

लखनऊ/ बेंगलुरू , एजेंसी।

राज्यसभा की 56 सीटों के लिए हो रहे चुनाव में 41 उम्मीदवार तो निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। मगर यूपी, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक की 15 सीटों के लिए आज मतदान हो रहा है। यहां बीजेपी ने संख्याबल के आधार पर जितनी सीटों पर जीत सुनिश्चित है, उनके मुकाबले अतिरिक्त उम्मीदवार उतार रखा है। यूपी की 10 राज्यसभा सीटों के लिए 11 उम्मीदवार मैदान में हैं। कर्नाटक की चार सीटों के लिए पांच और हिमाचल प्रदेश की एक सीट के लिए दो उम्मीदवार मैदान में हैं।

यूपी में हर उम्मीदवार को जीत सुनिश्चित करने के लिए 37 विधायकों के प्रथम वरीयता के वोट चाहिए होंगे। बीजेपी के पास सुभासपा, अपना दल, राष्ट्रीय लोक दल जैसे सहयोगी दलों को मिलाकर 286 विधायक हैं। राजा भैया की पार्टी के भी दो विधायक हैं। समस्या यह है कि सपा के आठ विधायक मतदान से ठीक पहले बीती रात अखिलेश यादव के डिनर से नदारद रहे। सुबह चीफ व्हिप ने इस्तीफा दे दिया। लिहाजा सपा को अब क्रॉस वोटिंग का डर भी सताने लगा है।

दूसरी तरफ कर्नाटक में राज्यसभा की चार सीटों पर चुनाव हैं। यहां सत्ताधारी कांग्रेस को क्रॉस वोटिंग का डर है। लिहाजा डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ही पोलिंग एजेंट बने हैं। कर्नाटक में हर उम्मीदवार को जीत के लिए प्रथम वरीयता के 45 वोट की जरूरत है। कांग्रेस से तीन, बीजेपी और जेडीएस से एक-एक उम्मीदवार मैदान में हैं। कांग्रेस को तीनों उम्मीदवारों की जीत के लिए प्रथम वरीयता के 135 वोट चाहिए और उसके 136 विधायक हैं। दो निर्दलीय समेत तीन अन्य विधायकों के समर्थन का दावा भी है। हिमाचल प्रदेश की एक सीट के लिए कांग्रेस ने अभिषेक मनु सिंघवी को उतारा है। यहां कांग्रेस के 40 और बीजेपी के 25 विधायक हैं। कांग्रेस का संख्याबल जीत के लिए जरूरी प्रथम वरीयता के 35 वोट से आठ अधिक है मगर बीजेपी ने कांग्रेस से आए हर्ष महाजन को उतारकर मुकाबला रोचक बना दिया है।

सड़क से नोट समेटकर थाने पहुंचे मासूम

खरगोन। कक्षा तीसरी और पांचवीं पढ़ने वाले दो मासूमों ने मैदान पर बिखरे मिले हजारों रुपए के नोट पुलिस को देकर ईमानदारी का परिचय दिया। स्कूल प्रबंधन के माध्यम से उन्होंने 8900रू पुलिस के पास जमा कराए। दोनों छात्रों की ईमानदारी देख एसडीओपी अर्चना रावत भी अभिभूत हो गईं। पुलिस अधिकारी ने इनाम देकर बच्चों को सम्मानित भी किया। मामला बड़वाह का है। छात्र सरस्वती शिशु मंदिर के विशाल मुजाल्दे और कक्षा यश राठौर हैं उन्हें स्कूल के बाहर रोड पर बिखरे हुए नोट दिखाई दिए तो उन्होंने एक-एक कर सभी नोट समेट लिए और कक्षा अध्यापिका के पास पहुंचे। फिर प्राचार्य ने दोनों छात्रों को शाबासी देते हुए बच्चो को रुपये के साथ थाने भिजवाया। इस पर एसडीओपी अर्चना रावत अभिभूत हो गईं।

सबसे बुजुर्ग और मुखर सांसद डॉ. बर्क का निधन

नई दिल्ली , एजेंसी।

देश के सबसे बुजुर्ग सपा सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क का आज निधन हो गया है।

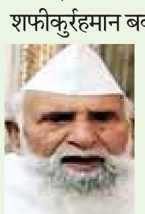

वह लंबे समय से मुरादाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती थे। सांसद के पोते जियाउर्रहमान ने बताया कि उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। आज सुबह उन्हें आईसीयू में ले जाया गया। जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। चार बार विधायक और पांच बार सांसद रहे बर्क उम्र और अनुभव में मंडल के सबसे वरिष्ठ राजनेता रहे। अपने सियासी तेवरों के कारण उनकी अलग पहचान रही है।

वह बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी के संयोजक रह चुके थे। मुस्लिमों के मुद्दों को उठाने और वंदेमातरम पर अपने बयानों को लेकर सियासत में चर्चित रहे डा. शफीकुर्रहमान एक बार फिर सपा की सियासत में बड़ा चेहरा बनकर उभरे थे।

तेजस्वी के काफिले का वाहन पलटा, एक मौत

पूर्णिया, एजेंसी।

पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के एस्कॉर्ट में शामिल गाड़ी और एक कार में भीषण टक्कर में पुलिस एस्कॉर्ट गाड़ी के चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई है। जबकि छह से अधिक पुलिसकर्मी घायल हैं। फिलहाल सभी घायल जवानों का इलाज पूर्णिया जीएचसीएच में चल रहा हैं। मृतक चालक की पहचान मधुबनी टीओपी थाना क्षेत्र निवासी मो. हलीम के रूप में की गई हैं।

मप्र : ओले से फसलों को नुकसान

शाम को भोपाल में बारिश के आसार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश में ओले-बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। इससे सोमवार को छिंदवाड़ा में मूसलाधार बारिश हुई। तेज आंधी के साथ बिजली और ओले भी गिरे। मौसम में हुए बदलाव ने मध्यप्रदेश में फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया। देर रात तेज हवा, बारिश के साथ गिरे ओलों ने खेतों में गेहूं, चना और सरसों की फसल आड़ी कर दी है। नर्मदापुरम, खंडवा, छिंदवाड़ा, टीकमगढ़, बैतूल, छतरपुर और निवाड़ी जिलों में ओले गिरे हैं। कुछ जिलों में खेतों में कटी रखी फसल पानी में डूब गई। इससे दाने काले पड़ने की आशंका है। इधर छिंदवाड़ा में रातभर में 1.5 इंच पानी गिरा। पचमढ़ी, शिवपुरी नर्मदापुरम जिले में भी ओले गिरे हैं। 34 जिलों में अगले 24 घंटे के अंदर ओले-बारिश का अलर्ट है। भोपाल में शाम को बूंदाबांदी के आसार हैं।

पिकअप ने जीप में मारी टक्कर, 6 की मौत; सात घायल

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। कई वाहन आपस में टकरा गए। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार, दोकटी थाना के सुघर छपरा मोड़ के पास आज भोर में तेज रफ्तार पिकअप ने दो कमांडर जीप में टक्कर मार दी। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। जबकि कई अन्य घायल हो गए। पीड़ित एक समारोह में शामिल होकर एक कार से लौट रहे थे।

मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र की 102 ड्रोन दीदियां भोपाल में करेंगी फ्लाई

प्रधानमंत्री करेंगे संवाद

भोपाल दोपहर मेट्रो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिला दिवस पर 8 मार्च को देश की 1092 ड्रोन प्रशिक्षित महिलाओं से एक साथ ड्रोन फ्लाई कराएंगे, ये महिलाएं अब ड्रोन दीदी बन गयी है। प्रधानमंत्री ड्रोन दीदियों से बात भी करेंगे। मप्र और महाराष्ट्र की 102 ड्रोन दीदियाँ भोपाल में फ्लाई करेंगी,यह ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने की पहल है।

जानकारी के मुताबिक इस अनूठे कार्यक्रम में मप्र की 89 , महाराष्ट्र 60 , आँध्र प्रदेश 108, गुजरात 58 समेत अन्य राज्यों की ट्रेंड ड्रोन पायलट महिलाएं एक साथ एक समय पर ड्रोन फ्लाई करेंगी। एमपीपोस्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री इस आयोजन में दिल्ली से वर्चुअली जुड़ेगे। डीजीसीए से मान्यता प्राप्त आरपीटीओ यानि रिमोट पायलट प्रशिक्षण संगठन द्वारा प्रशिक्षित यह ड्रोन दीदी अपने राज्यों से जुड़कर ड्रोन फ्लाई करेंगी। भोपाल में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ पल्सेस रिसर्च सेंटर, फंदा में मौजूद रहकर मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की महिलायें एक साथ 102 ड्रोन उड़ाएंगी। केंद्र सरकार लखपति दीदी योजना लक्ष्य को 2 करोड़ से बढ़ाकर 3 करोड़ करने की कोशिश में है इसका उद्देश्य आर्थिक स्वतंत्रता और महिला सशक्तिकरण है। इस योजना में खाद कंपनियां महिला एसएचजी को ड्रोन देंगी, जिससे कीटनाशक का छिड़काव होगा।

मेट्रो एंकर

चिट्ठी आई है, गाने का मूड नहीं पकड़ पा रहे थे पंकज...

जब बंदूक की नोक पर गाना पड़ा पंकज उधास को!

मुंबई, एजेंसी।

अस्सी के दशक में गजलों को नया अंदाज देने वाले पंकज उधास का आज अंतिम संस्कार हो रहा है। पंकज ने नाम फिल्म में 'चिट्ठी आई है' गाकर खुद को अमर कर लिया था मगर एक बार पंकज के सामने वह हालात भी आए थे जब उन्हें बंदूक दिखाकर गवाया गया था। पंकज ने यह बात कुछ समय पहले खुद उजागर की थी। उन्होंने बताया था- मैं एक बार एक शो कर रहा था और किसी ने कान में आकर कहा कि ये गाना आपको गाना है, इसकी फरमाइश आई है। तो मैंने सुना लेकिन सोचा क्यों किसी के कहने पर गाऊं, किसी का गुलाम थोड़े हूं। फिर मैंने नोटिस किया कि सामने एक साहब बैठे हैं और थोड़ा गुस्से में हैं. तो मैंने कहा सुनाने वाला हूं इतनी जल्दी क्या है. थोड़ी देर के बाद मैंने देखा कि उन्होंने अपने पॉकेट से रिवॉल्वर निकाला और मुझे लहराकर दिखाने लगे। तब से मैंने तय कर लिया कि जो पब्लिक की डिमांड होगी, वह गा दूंगा।

वैसे तो , रेडियो पर फौजी भाइयों के लिए जब 'चिट्ठी आई है' गाना बजता तो शायद ही कोई आंख नम न होती हो। उन्होंने जब यह गाना गाया था तो राज कपूर भी रो पड़े थे। उन्होंने पंकज से कहा था इस गाने को गाकर तुम अमर हो गए। दरअसल यह किस्सा खुद पंकज ने कई बार बताया है। तब फिल्म नाम रिलीज नहीं हुई थी। लिहाजा पंकज समझ नहीं पाए कि राज कपूर ने ऐसा क्यों कहा। इस पर राज कपूर बोले, चिट्ठी आई है। पंकज बोले, मुझे ताज्जुब हुआ कि गाना तो अभी रिकॉर्ड किया है। राज साहब को कैसे पता चला। पंकज ने फिर बताया कि राज कपूर और राजेंद्र कुमार (नाम के प्रोड्यूसर) की गहरी दोस्ती थी। गाना पंकज पर पिक्चराइज किया गया था। राजेंद्र कुमार के घर में थिएटर था। उन्होंने राज कपूर को बुलाकर गाना दिखाया था। पंकज बताते हैं, राज साहब रोने लगे कि सालों में पहली बार ऐसा गाना सुना था।

मूड ऐसे पकड़ा, और एक ही टेक में ओके

पंकज ने चिट्ठी आई है से जुड़ा एक और किस्सा बताया था। रिकॉर्डिंग वाले दिन पंकज कहीं से कॉन्सर्ट करके आए थे। थोड़े थके थे। शाम को उस गाने की रिकॉर्डिंग थी। गाना पहले बिना डबिंग के रिकॉर्ड होता है। लाइव गाना था। सारा ऑक्रेस्ट्रा था। रिहर्सल के बाद टेक लेने की बात आई। 2 टेक के बाद लक्ष्मीकांत आकर सिंगर के बूथ में मुझे बैठाकर बोले, चाय पीजिए। तो चाय पी। फिर लक्ष्मीकांत ने कहा कि पंकज जी आप गाने का मूड और सेंटीमेंट ठीक से नहीं पकड़ पा रहे हैं। पंकज बोले मैं तो दिल से गा रहा हूं। लक्ष्मीकांत ने पूछा कि कॉन्सर्ट में कैसे गाते हैं। मैने बताया कि वहां हारमोनियम लेकर स्टेज पर गाता हूं। बोले 2 मिनट रुकिए। उन्होंने बाहर जाकर स्टूडियो के बीच टेबल बिछाकर हारमोनियम की व्यवस्था की। माइक लगवाया। वहां गवाया। जब गाया तो लगा कि अभी फिर रीटेक करवाएंगे। लक्ष्मीकांत के चेहरे पर रौनक आ गई। उसी मूड में रिकॉर्ड हो गया। लक्ष्मीकांत आकर बोले, कमाल कर दिया।

वार्षिक उत्सव

भोपाल। आनंद विहार कॉलेज में वार्षिक उत्सव के दौरान छात्राओं ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुति दी।

आज से शुरू हुआ अभियान, आंगनबाड़ियों में नियमित टीकाकरण वाले दिन लगेंगे टीके

जेपी, हमीदिया व एम्स के अलावा चार निजी अस्पतालों में भी जापानी बुखार से बचाव के टीके लगना शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जापानी बुखार से बचाव के टीके मंगलवार सुबह 9 बजे से लगने शुरू हो गए हैं। भोपाल में ये टीके जेपी, हमीदिया, एम्स अस्पतालों के अलावा चार निजी अस्पतालों व उनके मेडिकल कॉलेजों में भी लगाए जा रहे हैं। ये अगले एक महीने तक लगाए जाएंगे। आंगनबाड़ियों में नियमित टीकाकरण वाले दिन लगाए जाएंगे।

लोगों की सुविधा को देखते हुए राजधानी में जेपी, काटजू, हमीदिया, एम्स अस्पताल के अलावा बैरागढ़, गांधी नगर, गोविंदपुरा, मिसरोद, 1100 क्वार्टर, कोलार स्वास्थ्य केंद्रों में टीके लगाए जा रहे हैं। वहीं चिरायु, एलएनसीटी, आरकेडीएफ व पीपुल्स मेडिकल कॉलेज व अस्पतालों को भी शामिल किया है। उल्लेखनीय है कि जापानी इंसेफेलाइटिस (जेई) से बचाव के टीके पहले चरण में भोपाल, इंदौर, नर्मदापुरम व सागर को 1 से 15 वर्ष तक के बच्चों को लगाए जा रहे हैं। इसकी जरुरत मप्र में बढ़ते जापानी बुखार वाले बच्चों की संख्या के चलते पड़ी है। वर्ष 2019 से अब तक करीब 90 बच्चों में उक्त बुखार की पुष्टि हुई है, इनमें से करीब 6 की मौत हुई है। राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ. संतोष शुक्ला ने बताया कि पहले चरण में भोपाल के करीब 9 लाख बच्चों को टीके लगाए जाने हैं। इस तीन जिलों में प्रत्येक जिले की कुल आबादी के 20 प्रतिशत बच्चों को ये टीके लगाए जाने हैं। पहले चरण के अभियान के लिए 17 लाख डोज मिले हैं।

15 वर्ष तक के बच्चे लगवा सकेंगे

डॉक्टरों के अनुसार जेई मच्छरों के काटने से यह बुखार आता है जो दिमागी बुखार और जापानी बुखार भी कहा जाता है। यदि समय पर इलाज नहीं मिला तो यह बुखार काफी नुकसान पहुंचा सकता है। एक बार टीका लगाने पर इसका असर 15 वर्ष तक रहेगा। सभी बच्चों को यह लगाया जाना है। इसके कोई भी विपरित प्रभाव नहीं होते।

एमपी बोर्ड : प्रदेश में दसवीं लिए 3,866 एवं 12वीं के लिए बनाए गए हैं 3,637 परीक्षा केंद्र

12वीं का मैथमेटिक्स का पेपर हुआ, दसवीं के सामाजिक विज्ञान में बने 5 नकल प्रकरण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की कक्षा दसवीं-बारहवीं की परीक्षाएं जारी हैं। मंगलवार को कक्षा बारहवीं का मैथमेटिक्स का पेपर हुआ। परीक्षा केंद्रों पर करीब आधा घंटे पहले पहुंचे परीक्षार्थियों को कड़ी जांच के बाद प्रवेश दिया गया। परीक्षा का समय सुबह 9 बजे 12 बजे रहा। इस दौरान कुछ केंद्रो पर संभाग और जिले स्तर पर बनाई गई जांच टीम भी निरीक्षण करने के लिए पहुंची। वहीं सोमवार को कक्षा दसवीं का सामाजिक विज्ञान का पेपर हुआ। इस पेपर में प्रदेशभर में कुल पांच नकल प्रकरण दर्ज किए गए। इसमें शिवपुरी में एक, सागर में एक, मुरैना में एक और रीवा में दो नकल प्रकरण जांच टीमों द्वारा पकड़े गए हैं।

उल्लेखनीय है कि इस बार दसवीं-बारहवीं की परीक्षाओं में प्रदेशभर से करीब 16.80 लाख विद्यार्थी शामिल हो रहे हैं। हाईस्कूल परीक्षा के लिए प्रदेश में 3,866 एवं हायर सेकेंडरी के लिए 3,637 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। राजधानी भोपाल के 106 परीक्षा केंद्रों पर बोर्ड परीक्षाएं आयोजित की जा रही है।

बोर्ड पैटर्न पर होने वाली 5वीं-8वीं की परीक्षाओं का मूल्यांकन संभाग स्तर पर होगा

प्रदेश के सरकारी, निजी स्कूलों सहित मदरसों में 6 मार्च से शुरू होने वाली 5वीं व 8वीं की वार्षिक परीक्षाओं को लेकर राज्य शिक्षा केंद्र ने तैयारियां पूरी कर ली है। प्रदेश भर के सरकारी व निजी स्कूलों के करीब 24 लाख विद्यार्थी 12 हजार केंद्रों पर परीक्षा में शामिल होंगे। इस बार मूल्यांकन को लेकर भी व्यवस्था में बदलाव किए गए हैं। इस संबंध में जारी नए दिशा-निर्देश के अनुसार, इस बार उत्तर पुस्तिकाओं को मूल्यांकन संभाग स्तर पर किया जाएगा। इसकी पूरी मॉनिटरिंग संयुक्त संचालक करेंगे। मूल्यांकन के दौरान यह भी ध्यान रखा जाएगा कि उसी स्कूल के शिक्षकों को उनके स्कूल के विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन के लिए नहीं दी जाएं। जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) के तहत गठित समिति की ओर से शिक्षकों की सूची तैयार कर मूल्यांकन कराने की व्यवस्था की गई है। बताया जा रहा है कि इस बार परीक्षा के मूल्यांकन के साथ ही अंको की प्रविष्टि भी उसी समय की जाएगा। अंकों को ऑनलाइन तुरंत अपडेट करना होगा, जिससे मूल्यांकन में पारदर्शिता बनी रहेगी।

पूर्व छात्र मिलन समारोह

...जब मॉडल स्कूल में यादों का 'बम' फूटा !

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

'तेरे जैसा यार कहां,कहां ऐसा याराना' गुनगुनाते हुए मॉडल स्कूल टीटी नगर के पूर्व छात्र व पूर्व छात्राओं ने मस्ती में डूबकर धमाल किया। यह मौका था ग्रेट मॉडर्न कल्याण समिति द्वारा आयोजित पूर्व छात्र मिलन समारोह का। इसमें 1965 से लेकर अब तक के लगभग 200 पूर्व विद्यार्थियों ने आपस में मिलकर पुराने अनुभवों को साझा किया और रोचक किस्से सुनाए। सबसे खास किस्सा उस बम का बना, जो स्कूल परिसर में फटा था, मगर आज तक इसके 'आरोपी' अज्ञात हैं।

इस पूर्व छात्र मिलन में सेवानिवृत आईएएस अजातशत्रु, प्रकाश गौड, डा अजय मेहता, पीएन अग्रवाल शैलेंद्र दुबे, पद्माकर त्रिपाठी, प्रलय श्रीवास्तव आदि प्रमुख थे। पूर्व विद्यार्थी सुनील शुक्ला ने जहां स्कूल के जीवन की रोचक बातें बताई ,वही डॉक्टर पर पीएन अग्रवाल ने स्वस्थ रहने के मंत्र बताएं। प्रलय श्रीवास्तव ने बताया कि कैसे पूर्व छात्रों ने मिलकर स्मार्ट सिटी के दायरे में आ रहे मॉडल स्कूल को तत्कालीन मुख्य मंत्री से मिलकर बचाया था।

अंडे चुराते थे, मगर धमाका किसने किया !

इन पूर्व छात्रों ने वर्ष 80 के दौरान जब माडल स्कूल परिसर में मुर्गी पालन केंद्र शुरू होने की यादें ताजा की और बताया कि कैसे वे मुर्गी के अंडे चुराया करते थे। इसी तरह तब ठहाके लगे जब याद किया गया कि 1977- 78 में जब उनका बैच रंगमहल टॉकीज में फिल्म अमर अकबर एंथनी देखने गया, तब सिनेमा छूटने के बाद कैसे उन्हें भाटी सर की %संटी% खाना पड़ी थी। डा. अजय मेहता ने बताया कि 1979 में दिवाली के बाद स्कूल में फूटे रस्सी बम का आज तक स्टाफ पता नहीं कर पाया कि किसने बम फोड़ा था।

विजयवर्गीय समाज की प्रतिभाओं का सम्मान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में विजयवर्गीय समाज ने अंतर्राष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के संस्थापक श्रीश्री 1008 रामचरण महाराज की 304 वीं जयंती हर्षोल्लास से मनाई ।

अखिल भारतीय विजयवर्गीय (वैश्य) महासभा शाखा भोपाल के प्रचार महामंत्री संजय विजयवर्गीय ने बताया, कि लालघाटी नयापुरा स्थित मांगलिक भवन में समाज के सभी लोगों ने महाराज की पूजा एवं आरती की। इसके बाद रंगारंग सांस्कृति कार्यक्रम आयोजित हुए ।

समाज के लिए उल्लेखनीय कार्य एवं मिसाल पेश करने वाली प्रतिभाओं और वरिष्ठजनों को सम्मानित किया गया। इसके अलावा दाम्पत्य जीवन के 50 वर्ष पूर्ण करने वाले दंपत्तियों के वार्षिक सम्मान समारोह कार्यक्रम में विजयवर्गीय दंपत्तियों का सम्मान हुआ। आयोजन की श्रृंखलाओं में समस्त बोर्ड और विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक हासिल करने वाले मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान भी किया गया। विजयवर्गीय समाज भोपाल के अध्यक्ष मनीष विजयवर्गीय द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

सिंधी सेंट्रल पंचायत की नई टीम ने शपथ ली, नए कार्यसमिति तय

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सिंधी सेंट्रल पंचायत भोपाल की नई टीम ने सेवा की शपथ ली। पुराने पदाधिकारियों का समाज की सेवा के लिए आभार जताया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक भगवान सबनानी ने पदाधिकारियों को शपथ दिलाई।

शपथ समारोह की शुरूआत निवृत्तमान अध्यक्ष भगवानदेव इसरानी का स्वागत व सम्मान के साथ हुई। इसरानी ने कहा कि वे पंचायत में मुख्य सलाहकार के रूप में अपनी सेवाएं देंगे पंचायत की ओर से अभिनंदन पत्र भी सौंपा गया। पंचायत के नव निर्वाचित अध्यक्ष किशोर तनवानी ने अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा की। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ और पारिवारिक विवाद निवारण समिति की भी घोषणा की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से हरीश नागदेव, जगदीश साहिता, मोहन लालवानी रवि आनंद सहित समाज के गणमान्य लोग एवं बड़ी संख्या में महिलायें उपस्थित हुई थी। इस अवसर पर राजेन्द्र मनवानी, अध्यक्ष म.प्र.सिन्धू भवन ट्रस्ट, बल्देव खेमानी, अध्यक्ष,साख सहकारी समिति, राजेश वाधवानी, निदेशक,सिन्धी साहित्य अकादमी, विशम्बर राजदेव, अध्यक्ष, सिन्धू विद्यालय, भोपाल का सम्मान किया गया।

मेट्रो एंकर | स्टेशन से उड़ाया था लाखों का माल, 9 पकड़ाए

संतनगर आरपीएफ ने रेलवे की संपत्ति कबाड़ में बेचते आरोपियों को किया गिरफ़्तार

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

रेलवे सुरक्षा बल ने संत हिरदाराम नगर स्टेशन से रेल संपत्ति चोरी करने के नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को भोपाल कबाड़ खाने में माल बेचते समय पकड़ा गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक रेल सुरक्षा बल, निशातपुरा को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध व्यक्ति मिनी लोडिंग वाहन क्रमांक डीएल 01 एल आर 2907 से न्यू कबाड़ खाना भोपाल में रेलवे का सामान को बेच रहे है। सूचना प्राप्त होने पर प्रधान आरक्षक अजय यादव व आरक्षक हेमन्त सुलानिया द्वारा सउनि भूपेन्द्र कुमार को सूचित कर मय स्टॉफ के साथ न्यू कबाड़ खाना पहुंचे। 06 व्यक्तियों को रेलवे के स्कैंप मटेरियल को अनलोड कर कबाड़ी को बेच रहे थे। पूछताछ करने पर बताया की रेलवे 24 फरवरी को रेलवे स्टेशन संत हिरदारामनगर के निर्माण कार्य से निकले रेलवे के लोहे को आरक्षण कार्यालय बिल्डिंग के पास से चुराया गया था। पुलिस ने बताया कि सभी पकड़े गये अरोपियों से पूछताछ करने पर पाया गया कि ओम प्रकाश मेघानी से पेटी कान्ट्रैक्ट पर आइसा कंस्ट्रक्शन के ठेकेदार अमजद के द्वारा निर्माण कराया जा रहा है। अमजद वह उसके सुपरवाइजर के कहने पर ही रेल सामग्री को बेचने हेतु कबाड़खाना ले जाया गया था। इस मामले में रेल संपत्ति की चोरी का पाए जाने पर अपराध क्रमांक 02/2024 अंतर्गत धारा 3(ड्ड)आर.पी.(यू.पी.), एक्ट* के तहत मामला दर्ज कर जाँच में लिया गया। इस घटना में अमजद खान (आइसा कंस्ट्रक्शन के ठेकेदार), मोहम्मद गोरी, मो हनीफ, रानु खांन (रिसीवर), अथर खान, अन्सार खांन, इकबाल, रिजवान, शेख रहीम को पकड़ा गया।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

अब सबकी पहुंच में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020
अंतर्गत
'भारतीय ज्ञान परम्परा-विविध संदर्भ' विषय पर

दो दिवसीय कार्यशाला

27-28 फरवरी, 2024
पूर्वाह्न 10:00 बजे

तृतीया-चतुर्थी, कृष्ण पक्ष, फाल्गुन, विक्रम संवत् २०८०

स्वामी विवेकानंद सभागार, शासकीय सरोजिनी नायडू कन्या (स्वशासी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भोपाल

शुभारंभ

अध्यक्षता
मंगुभाई पटेल
राज्यपाल

मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परम्परा का समावेश और प्रतिष्ठापन

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू करने वाला देश का पहला राज्य मध्यप्रदेश
- टास्क फोर्स, शीर्ष समिति एवं समन्वय समिति का गठन, प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं का आयोजन
- 'नई शिक्षा-नई उड़ान' एवं 'नई शिक्षा : विविध आयाम' पुस्तकों का प्रकाशन
- भारतीय ज्ञान ग्रंथों एवं प्रतिष्ठित रचनाकारों, साहित्यकारों, समाजशास्त्रियों, वैज्ञानिकों व इतिहासकारों से जुड़े प्रेरक एवं रोचक तथ्यों पर आधारित विषयों का पाठ्यक्रम में समावेश
- 41 विश्वविद्यालय और 17 महाविद्यालय अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट पर पंजीकृत
- शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण : 12 अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ एम.ओ.यू.
- व्यावसायिक शिक्षा एवं सामान्य शिक्षा का एकीकरण: क्षेत्रीय आवश्यकताओं के आधार पर 35 व्यावसायिक विषयों का पाठ्यक्रम में समावेश
- शिक्षा में गुणवत्ता के लिए भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, रीवा के 6 विश्वविद्यालयों में इन्क्यूबेशन केंद्रों की स्थापना
- मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी द्वारा स्नातक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के लिए 176 शीर्षक से 16 लाख से अधिक नवीन पुस्तकों का प्रकाशन किया गया है
- मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी द्वारा 'नंदीघोष' व 'ज्ञान संपदा' पुस्तक का प्रकाशन

D-11217/23

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
मध्यप्रदेश शासन
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024

सुविचार

''जीवन में प्रयास सदैव कीजिए,लक्ष्य मिले या अनुभव दोनों ही अमूल्य हैं।''

-अज्ञात

संपादकीय

एक कानून का इंतजार

भारत में लोकतंत्र की जड़े बहुत गहरी हैं और यहां के नागरिकों के मन में भी लोकतंत्र के प्रति सम्मान अक्सर नजर आता रहता है। लेकिन कई बार जब पुलिस या अन्य कानूनी एजेंसियों के इस्तेमाल पर सवाल उठता है तो कुछ चिंता जरूर होती है। इसीलिये सुप्रीम कोर्ट का केंद्र सरकार से यह पूछना मायने रखता है कि जमानत के प्रावधानों से संबंधित नया कानून लाने पर काम हो रहा है या नहीं। दरअसल, यह मामला सुप्रीम कोर्ट के ही जुलाई 2022 में दिए एक आदेश से जुड़ा है। उसमें कोर्ट ने केंद्र सरकार को कहा था कि जिन मामलों में अधिकतम सजा सात साल से कम हो, उनमें जमानत को लेकर नया कानून बनाया जाए। इस संबंध में जो कोर्ट की चिंता है, वह देश के सिविल सोसाइटी सदस्यों की बातों से भी लंबे समय से झलकती रही है। उल्लेखनीय है कि जुलाई 2022 के आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने उसे इन स्पष्ट शब्दों में व्यक्त किया था कि भारत को कभी पुलिस स्टेट में तब्दील नहीं होना चाहिए। इसे लेकर हमेशा सचेत रहना चाहिए। आजादी की साढे सात दशक की यात्रा में हमारे देश लोकतंत्र की राह पर सफलतापूर्वक आगे बढ़ता रहा है। अगर हमसे थोड़ा आगे-पीछे के कालखंड में आजाद हुए अन्य देशों के अनुभवों के मुकाबले देखा जाए तो भारत में लोकतंत्र की जड़ें बहुत फैल चुकी हैं। मगर फिर भी पुलिसिया ताकतों के गैरजरूरी इस्तेमाल की शिकायतें मिलती रहती हैं और, दुर्भाग्य से उनमें से ज्यादातर शिकायतें ऐसी होती हैं, जिन्हें निराधार कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। यहां इस तथ्य को रेखांकित करना जरूरी है कि यह समस्या किसी एक राजनीतिक दल से जुड़ी नहीं है। अगर ऐसा होता तो इस अर्थ में अच्छा था कि तब समस्या का समाधान अपेक्षाकृत आसान होता। लेकिन अलग-अलग कालखंडों की बात तो दूर, एक ही समय में अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग दलों की सरकार होने के बावजूद वहां से ऐसी शिकायतें आतीं रही हैं। यह भी एक वजह शायद हो सकती है कि अदालतों ने इसे लेकर सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्टों के ऐसे कई आदेश हैं जो बताते हैं कि सरकारी तंत्र को नागरिकों के अधिकारों को लेकर ज्यादा संवेदनशील होने की जरूरत है। अनावश्यक गिरफ्तारी या जमानत में देरी के अलग-अलग मामलों से निपटते हुए ऊपरी अदालतें ऐसे निर्देश देती रही हैं लेकिन उनका ज्यादा असर नहीं दिखा तो उसकी एक वजह यह भी है कि इस बारे में कोई ऐसा स्पष्ट कानून नहीं है, जो राज्यों में कानूनी एजेंसियों के लिए मार्गदर्शन का काम करे। जाहिर है, सुप्रीम कोर्ट का यह दखल जरूरी और महत्वपूर्ण है। अगर सरकार ने अब तक कानून बनाने की दिशा में कोई गंभीर पहल नहीं की है तो अपने इस रुख को तत्काल बदलते हुए प्रभावी कानून लाने के प्रयासों में तेजी लानी चाहिए। यह नागरिकों और हमारे देश के उदार लोकतंत्र की परंपरा से जुडा भी मामला है। लोकतंत्र एक बहुत व्यापक अर्थ वाली अवधारणा है और हमारे देश समेत अनेक देशों में स्थापित भी है,लेकिन लोकतंत्र का सफर भी बहुत लंबा होता है, यह सैंकडों हजारो बरसों की अनवरत यात्रा है,इसलिये इसमें आने वाले ऐसे प्रसंगों को तत्काल निराकृत करते हुए आगे बढना जरूरी है जो लोकतंत्र के मार्ग पर कई बार अजब मोड की तरह आ जाते हैं।

आज का इतिहास

- 1580- गोवा से पहला ईसाई मिशनरी अकबर के दरबार फतेहपुर सिकरी आया।
- 1712- मुगल बादशाह बहादुर शाह प्रथम की लाहौर में मृत्यु हुई।
- 1847- अमेरिका ने सकरामेंटो के युद्ध में मैक्सिको को पराजित किया।
- 1922- मिस्र ने ब्रिटेन से दोबारा आजादी प्राप्त की।
- 1924- अमेरिका ने मध्य अमरीकी देश होंडुरस पर हस्तक्षेप शुरू किया।
- 1928- सी वी रमन को फिजिक्स के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- 1936- जवाहर लाल नेहरू की पत्नी कमला नेहरू का स्विजरलैंड में निधन हुआ।
- 1943- कोलकाता का हावडा पुल (रवीन्द्र सेतु) शुरू हुआ था।
- 1947- चीनी राष्ट्रीय पार्टी कोमिंटांग के खिलाफ ताइवान में प्रदर्शन किया गया।
- 1948- ब्रिटेन का आखिरी सैनिक दस्ता भारत से स्वदेश रवाना हुआ।
- 1963- भारत के राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद का निधन हुआ था।
- 1975- अमेरिका के नेवादा परीक्षण स्थल से परमाणु परीक्षण किया गया था।
- 1991- अमेरिका तथा गठबंधन सेना ने इराक में युद्धविराम की घोषणा की थी।
- 1999 - कोलीन प्रेसकोट एवं एंडी एल्सन (ब्रिटेन) ने 233 घंटे 55 मिनट तक गुब्बारे की मदद से आकाश में रहने का विश्व रिकार्ड बनाया था।
- 2002- गुजरात में धार्मिक हिंसा के दौरान नरोडा पाटिया नरसंहार में 37 और गुलबर्ग सोसायटी नरसंहार में 69 लोगों की मौत हुई थी।
- 2005- पुर्तगाल के सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई बम विस्फोट के अभियुक्त अबू सलेम के प्रत्यर्पण की इजाजत दी थी।
- 2007- प्रसिद्ध संगीतकार ओपी नैय्यर का निधन हुआ था।
- 2008- नेपाल में सरकार और संयुक्त मधेशी लोकतांत्रिक मोर्चा के बीच शांति समझौता हुआ।
- 2011- टॉम हूपर की फिल्म 'द किंग्स स्पीच' को हॉलीवुड कोडैक थिएटर में आयोजित ऑस्कर समारोह में सर्वश्रेष्ठ चलचित्र का पुरस्कार दिया गया।
- 2013- पोप बेनेडिक्ट 16वें ने कैथोलिक चर्च के पोप के रूप में इस्तीफा दिया था।
- 2018 - कांची कामकोटि पीठ के प्रमुख श्री जयेंद्र सरस्वती शंकराचार्य का निधन हुआ।
- 2020 - भारतीय हॉकी टीम के पूर्व सदस्य बलबीर सिंह खुल्लर का निधन हुआ।

निशाना

ठीक नहीं घबराना!

- कृष्णेन्द्र राय

साबित ना कर पाए।
बीत रहा है साल ।।
बोल रहे हैं हमको।
करते हम बवाल ।।
हट जाओ गठबंधन से।
है ख़बर भिजवाया ।।
परेशान कर रहे।
करने को सफाया ।।
है यदि सच्चाई तो।
करो सबूत पेश ।।
है सबको मालूम पर।
हैं कितने विशेष ।।
कर लो थोड़ा इंतज़ार।
ठीक नहीं घबराना ।।
हो शायद अब पेश।
अलग कुछ नज़राना ।।

हिमालयी पहाड़ों में कम बर्फबारी जल संकट की आहट

■ पंकज चतुर्वेदी

इस साल का जनवरी महीना कश्मीर के लिए अभी तक का सबसे गर्म रहा। वहीं फरवरी जाते-जाते इस राज्य को बर्फ की घनी चादर में लपेट चुकी है। मौसम विभाग की मानें तो फरवरी के आखिरी दिनों में फिर से जमकर बर्फबारी होगी। 23 फरवरी की रात गुलमर्ग में शून्य से 10.4 और पहलगाम में 8.6 डिग्री नीचे तापमान वाली रही। धरती के स्वर्ग कहलाने वाले कश्मीर में क्या देर से हुई बर्फबारी महज एक असामान्य घटना है या फिर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का संकेत? बीते कुछ सालों में कश्मीर लगातार असामान्य और चरम मौसम की चपेट में है। अभी 21 फरवरी को गुलमर्ग में बर्फीले तूफान का आना भी चौंकाने वाला है। जान लें देर से हुई बर्फबारी से राहत तो है लेकिन इससे उपजे खतरे भी हैं।

कश्मीर घाटी को सुंदर, हराभरा, जलनिधियों से परिपूर्ण और वहां के बाशिंदों के लिए जीविकोपार्जन का मूल आधार है- जाड़े का मौसम। यहां जाड़े के कुल 70 दिन गिने जाते हैं। 21 दिसंबर से 31 जनवरी तक 'चिल्ला-ए-कलां' यानी शून्य से कई डिग्री नीचे वाली ठंड। इस बार यह 45 दिनों का समय बिल्कुल शून्य बर्फबारी का रहा। उसके बाद बीस दिन का 'चिल्ला-ए-खुर्द' अर्थात छोटा जाड़ा, यह होता है 31 जनवरी से 20 फरवरी। इस दौर में बर्फ शुरू हुई लेकिन उतनी नहीं जितनी अपेक्षित है। उसके बाद 20 फरवरी से 2 मार्च तक बच्चा जाड़ा यानी 'चिल्ला-ए-बच्चा'। इस बार बर्फबारी इस समय में हो रही है। सत्तर दिन की बर्फबारी 15 दिन में सिमटने से दिसंबर और जनवरी में हुई लगभग 80-90 प्रतिशत कम बर्फबारी की भरपाई तो हो नहीं सकती। उसके बाद गर्मी शुरू हो जाने से साफ जाहिर है कि जो थोड़ी-सी बर्फ पहाड़ों पर आई है, वह जल्दी ही पिघल जाएगी। अर्थात आने वाले दिनों में एक तो ग्लेशियर पर निर्भर नदियों में अचानक बाढ़ आ सकती है और फिर अप्रैल में गर्मी आते-आते वहां पानी का संकट हो सकता है।

भारत में हिमालयी क्षेत्र का फैलाव 13 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों (अर्थात जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, असम और पश्चिम बंगाल) में है, जो लगभग 2500 किलोमीटर है। भारत के मुकुट कहे जाने वाले हिमाच्छादित पर्वतमाला की गोदी में कोई पांच करोड़ लोग सदियों से रह रहे हैं। चूंकि यह क्षेत्र अधिकांश भारत के लिए पानी उपलब्ध करवाने वाली नदियों का उद्गम स्थल हैं, साथ ही यहां के ग्लेशियर धरती के गर्म होने को नियंत्रित करते हैं, सो जलवायु परिवर्तन की दृष्टि से यह सबसे अधिक संवेदनशील हैं।

जलवायु परिवर्तन की मार से सर्वाधिक प्रभावित उत्तराखंड के पहाड़ जैसे अब अपना संयम खो रहे हैं- देश को सदानीरा गंगा-यमुना जैसे नदियां देने वाले पहाड़ के करीब 12 हजार प्राकृतिक स्रोत या तो सूख चुके हैं या फिर सूखने की कगार पर हैं। इस सर्दी में हिमालय, हिंदू कुश और काराकोरम में बर्फबारी की असामान्य अनुपस्थिति के चलते गर्म तापमान रहा है। चरम ला नीना-अलनीनो स्थितियों और पश्चिमी विक्षोभ मौसम इस तरह असामान्य रहा। जलवायु संकट के प्रतीक ये बदलाव पर्वतीय समुदायों और हिंदूकुश-हिमालयी क्षेत्र में जल सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा करते हैं। यह समझना होगा कि सर्दियों में कम बर्फबारी का कारण अलनीनो नहीं है।

अल-नीनो के कारण केवल गर्मियों और मानसून की बारिश प्रभावित होती है। महज एक या दो साल बर्फ रहित सर्दी का जिम्मेदार 'जलवायु परिवर्तन' को ठहरना भी जल्दबाजी होगा। यह अभी वैज्ञानिक कसौटी पर सिद्ध होना बाकी है। विदित हो कि पहाड़ों पर रहने वाले लोग आजीविका के लिए प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर हैं। वे अपना निर्वाह खेती और पशुधन पालन से करते हैं। उनके खेत छोटे होते हैं। लगभग बर्फ रहित या देर से सर्दी का प्रभाव उन लोगों के लिए घातक हो सकता है। ऊंचे पहाड़ों पर खेतों में बर्फ का आवरण आमतौर पर एक इंसुलेशन कंबल के रूप में कार्य करता है। बर्फ की परत से उनके फसलों की रक्षा होती है, कंद-मूल जैसे उत्पादों की वृद्धि होती है, पाले का प्रकोप नहीं हो पाता। साथ ही बर्फ से मिट्टी का कटाव भी रुकता है। पूरे हिमालय क्षेत्र में कम बर्फबारी और अनियमित बारिश से क्षेत्र में पानी और कृषि वानिकी आदि पर प्रतिकूल पारिस्थितिक प्रभाव पड़ने की संभावना है।

अगर तापमान जल्दी ही बढ़ जाता है तो देर से होने वाली बर्फबारी और भी अधिक त्रासदीदायक होगी। इससे अचानक जीएलओएफ (हिमनद झील के फटने से होने वाली बाढ़) बाढ़ आएगी और घरों, बागानों और मवेशियों के लिए घातक होगी। गर्मी से यदि ग्लेशियर अधिक पिघले तो आने वाले दिनों में पहाड़ी राज्यों में स्थापित सैकड़ों मेगावाट की जल विद्युत परियोजनाओं पर भी संकट आ सकता है। लंबे समय तक सूखे के कारण झेलम और अन्य नदियों का जलस्तर अभी से नकारात्मक सीमा में है।

कश्मीर में जल शक्ति विभाग अधिकारी स्वीकार करते हैं कि 'समय पर बर्फबारी और बारिश की कमी के कारण सतही जल स्रोतों के जल स्तर में उल्लेखनीय कमी आई है। प्रसिद्ध भूवैज्ञानिक और इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी कश्मीर के कुलपति का कम और बेमौसम बर्फ को लेकर अलग ही आकलन है। उनका कहना है इससे कश्मीर घाटी में प्रदूषण स्तर बढ़ेगा और स्वास्थ्य जोखिम भी पैदा होंगे।

उत्तराखंड में मसूरी से ऊपर बर्फबारी और बारिश न होने से मौसम खुश्क बना हुआ था, बारिश की कमी और पाले की मार से किसानों की फसलें दम तोड़ रही हैं। जिसके चलते पहाड़ी क्षेत्र चकराता में जहां किसान कैश क्रॉप कहीं जाने वाली फसल अदरक, टमाटर, लहसन, मटर पर ही अपनी आजीविका के लिए निर्भर रहता है, ये सभी फसलें इन दिनों बदहाली के दौर से गुजर रही हैं। वहीं पहाड़ी क्षेत्र में समय से बर्फ न गिरने की वजह से सेब, आड़ू और खुमानी की पैदावार कमजोर हो गई।

हमारे देश की अर्थव्यवस्था का आधार खेती है और खेती बगैर सिंचाई के हो नहीं सकती। सिंचाई के लिए अनिवार्य है कि नदियों में जल-धारा अविरल रहे लेकिन नदियों में जल लाने की जिम्मेदारी तो उन बर्फ के पहाड़ों की है जो गर्मी होने पर धीरे-धीरे पिघल कर देश को पानीदार बनाते हैं। साफ है कि आने वाले दिनों में न केवल कश्मीर या हिमाचल, बल्कि सारे देश में जल संकट पैदा हो गया है।सवाल उठता है कि इस अनियमित मौसम से कैसे बचा जाए? ग्लोबल वार्मिंग या अल-नीनो को दोष देने से पहले हमें स्थानीय ऐसे कारकों पर विचार करना होगा जिससे प्रकृति कुपित है। जून, 2022 में गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान द्वारा जारी रिपोर्ट 'एनवायरनमेंटल एस्सेसमेंट ऑफ टूरिज्म इन द इंडियन हिमालयन रीजन' में कड़े शब्दों में कहा गया था कि हिमालयी क्षेत्र में बढ़ते पर्यटन के चलते हिल स्टेशनों पर दबाव बढ़ रहा है। इसके साथ ही पर्यटन के लिए जिस तरह से इस क्षेत्र में भूमि उपयोग में बदलाव आ रहा है वो अपने आप में एक बड़ी समस्या है। जंगलों का बढ़ता विनाश भी इस क्षेत्र के इकोसिस्टम पर व्यापक असर डाल रहा है। यह रिपोर्ट नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेश पर पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भेजी गई थी। इस रिपोर्ट में हिमाचल प्रदेश में पर्यटकों के वाहनों और इसके लिए बन रही सड़कों के कारण वन्यजीवों के आवास नष्ट होने और जैव विविधता पर विपरीत असर की बात भी कही गई थी।

लेखक पर्यावरण मामलों के जानकार हैं।

अबू धाबी में हिंदू मंदिर के मायने... वक्त के साथ उदार हो रहे हैं अरब देश

■ बलबीर पुंज

अरब देशों ने समयानुरूप वैश्विक स्तर पर स्वयं को उदार, सहिष्णु और आधुनिक बनाने हेतु कदम उठाए हैं। मौजूदा तकनीकी युग में दुनिया छोटी हो रही है और अब कोई भी समाज पुरानी मान्यताओं की जकड़ में रहकर प्रगतिशील सह-अस्तित्व को संभव नहीं बना सकता। गत 14 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्वामीनारायण मंदिर का भव्य उद्घाटन किया। इसके बाद बहरीन ने भी स्वामीनारायण समाज को हिंदू मंदिर हेतु जमीन आवंटित कर दी। अबू धाबी में नवनिर्मित मंदिर, अरब प्रायद्वीप का कोई पहला मंदिर नहीं है। दुबई में 1958 से हिंदू मंदिर स्थापित है। बहरीन में भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित 200 वर्ष पुराना श्रीनाथ मंदिर, तो ओमान में सवा सौ साल पुराना मोतिश्वर मंदिर है। परंतु यूएई के मंदिर पर भारत का एक समूह, जिसमें वाम-उदारवादी भी शामिल है-अयोध्या में पुनर्निर्मित श्रीरामजन्मभूमि मंदिर का संदर्भ देकर भारत को यूएई सहित अन्य अरब देशों से बहुलतावाद-पंथनिरपेक्षता सीखने का सुझाव दे रहा है। यह अपने आप में ही विरोधाभास है कि भारत की तुलना इस्लामी देशों से की जाए।

असंख्य निशान अब भी प्रत्यक्ष: सबसे बड़ी बात है कि यूएई सहित किसी भी अरब देश का ऐसा कोई इतिहास नहीं है, जहां भारत के किसी हिंदू-बौद्ध शासक ने जाकर उन पर हमला किया हो या उनके धर्मस्थलों को ध्वस्त किया हो या फिर जबरन उनके किसी भूखंड पर कब्जा करके अपने धर्मस्थल का निर्माण किया हो। इस पृष्ठभूमि में मध्यकालीन भारत में अरब आक्रांताओं सहित अन्य विदेशी आक्रमणकारियों का क्रूर वृत्तांत, रक्त और सांस्कृतिक संहार से भरा है। इसके असंख्य निशान अब भी प्रत्यक्ष हैं। इसी में से एक राजधानी दिल्ली स्थित कुतुब मीनार परिसर में निर्मित कुव्वत उल इस्लाम मस्जिद है, जहां भारतीय पुरातत्व विभाग द्वारा स्थापित तख्ती में स्पष्ट लिखा है कि यह मस्जिद 27 हिंदू-जैन मंदिरों को तोड़कर बनाई गई है। ऐसे सैकड़ों ऐतिहासिक उदाहरण हैं।

भारत पंथनिरपेक्ष, वैदिक परंपराओं के कारण भी: जबकि भारत में पैगंबर मुहम्मद साहब के जीवनकाल में अरब के बाहर विश्व की पहली मस्जिद-'चेरामन जुमा मस्जिद' का निर्माण वर्ष 629 में केरल के तत्कालीन हिंदू राजा चेरामन पेरुमल भास्करा रविवर्मा और स्थानीय हिंदुओं

के सहयोग से कोडुंगल्लूर में हुआ था। यह इसलिए संभव हुआ, क्योंकि समावेशी भारतीय वैदिक दर्शन न तो 'काफिर-कुफ्र' अवधारणा जैसा असहिष्णु है और न ही संकुचित। भारत पंथनिरपेक्ष है, तो वह संविधान की वजह से ही नहीं, अपितु अपने शाश्वत हिंदू चरित्र और वैदिक परंपराओं के कारण भी। विगत सहस्राब्दी में भारतीय उपमहाद्वीप के जिन क्षेत्रों में 'एक ही ईश्वर सच्चा है, शेष झूठे हैं' रूपी दर्शन का वर्चस्व हुआ, वहां अन्य धर्म के स्थानीय अनुयायी या तो समाप्त हो गए या फिर दोयम दर्जे का जीवन बिताने को विवश हैं। इस भूखंड में बहुलतावाद और लोकतंत्र केवल उन्हीं स्थानों पर जीवित है, जहां आज भी भारतीय सनातन संस्कृति की प्रधानता है।

अरब सहित मध्यपूर्व एशिया में एक करोड़ से अधिक भारतीय प्रवासी (गैर-मुस्लिम सहित) बसते हैं। इस भूभाग में जिस देश के जो भी नियम-कानून हैं, वे उनका बिना किसी प्रतिकार के पालन करते हैं। उदाहरणस्वरूप, सऊदी अरब में सार्वजनिक रूप से मूर्ति पूजा या कोई भी गैर-इस्लामी पूजा-अर्चना प्रतिबंधित है। इसे भारतीय हिंदू उसी सम्मान के साथ स्वीकार करते हैं। क्या कभी विश्व के किसी घोषित इस्लामी या ईसाई देश में किसी हिंदू ने इस प्रकार का भाव प्रचारित किया कि उसकी आस्था, परंपरा और मान्यताओं को स्थानीय कानून द्वारा कुचला जा रहा है? इसके विपरीत भारत, अमेरिका और फ्रांस सहित कई यूरोपीय देशों में एक वर्ग द्वारा वहां के स्थानीय कानूनों और सांस्कृतिक परंपराओं के प्रतिकार की चर्चा आम रहती है। क्या यह सच नहीं कि भारत में भी एक वर्ग अपनी मजहबी मान्यताओं को भारतीय कानून या संविधान से ऊपर रखने की कोशिश करता है? इसी में से एक वर्ष 1985-86 का शाहबानो मामला है, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए प्रगतिशील निर्णय का भड़काऊ नारों के साथ हिंसक विरोध किया गया और इस कट्टरता के समक्ष आत्मसमर्पण करते हुए तत्कालीन राजीव गांधी सरकार ने संसद में अपने प्रचंड बहुमत के बल पर अदालत का फैसला पलट दिया था। वर्ष 2019-20 में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का विरोध, 2021-22 का कर्नाटक हिजाब प्रकरण और ज्ञानवापी परिसर मामले में नूपुर शर्मा को जान से मारने के फतवे के साथ निरपराध कन्हैयालाल (उदयपुर) और उमेश (अमरावती) की हत्या के मामले भी इसी किस्म की मानसिकता का विस्तार कहे जाएंगे। बड़ा प्रश्न यह भी है कि अरब देशों-विशेषकर यूएई और बहरीन के मुस्लिम शासकों को किस बात ने बहुदेववाद और सह-अस्तित्व को जगह देने के लिए प्रेरित किया? वह भी इस तरह कि वे न केवल मंदिरों के लिए भूमि दान कर रहे हैं, बल्कि मंदिर परियोजनाओं के साथ जुड़ भी रहे हैं। इसका उत्तर अरब प्रायद्वीप के हालिया सामाजिक-राजनीतिक घटनाक्रम में मिल जाता है। इस्लाम का उद्गम स्थल सऊदी अरब अपने युवराज मोहम्मद बिन सलमान के अधीन अब पूरी तरह शरीयत प्रदत्त देश नहीं रह गया है।

तेल-ईंधन पर वैश्विक निर्भरता समाप्त होने की आशंका: बीते कुछ वर्षों से सऊदी अरब में ऐसे स्वागतयोग्य सामाजिक सुधार हुए हैं, जो पहले विशुद्ध इस्लामी दृष्टिकोण में वर्जित कहे जाते रहे थे। इनमें महिलाओं को बिना पुरुष संरक्षक के वाहन चलाने की अनुमति, कामकाज में उनकी भागीदारी बढ़ाने और अंतरिक्ष परियोजनाओं में उन्हें स्थान देने जैसे कई कदमों के साथ कई क्षेत्रों में सऊदी राजवंश द्वारा सुधार किए जा रहे हैं। भविष्य में तेल-ईंधन पर वैश्विक निर्भरता समाप्त होने की आशंका और दुनिया में ई-वाहनों के बढ़ते चलन ने भी नई वास्तविकताएं पैदा की हैं। अरब देशों ने समयानुरूप वैश्विक स्तर पर स्वयं को उदार, सहिष्णु और आधुनिक बनाने हेतु कदम उठाए हैं। उन नियम-कानूनों में सुधार हो रहा है, जो पुरानी मान्यताओं की जकड़ में थे और सह-अस्तित्व के लिए बड़ी बाधा हैं। वास्तव में, अरब-मध्यपूर्व एशिया में हो रहे परिवर्तनों से भारत के तथाकथित सेक्युलरवादियों को सीखना चाहिए। मध्यकालीन 'काफिर-कुफ्र-शिर्क' की अवधारणा कालबाह्य हो चुकी है। तकनीकी युग में दुनिया छोटी हो रही है। ऐसे में कोई भी समाज कुएं का मेंढक बनकर नहीं रह सकता। आपसी सहयोग और सह-अस्तित्व समय की मांग है। **साभार**

तेज हवा और आंधी के साथ हुई ओलावृष्टि, किसानों के लिए आसमान से बरसी आफत

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

क्षेत्र के किसानों के लिए बीती रात आसमान से आफत की तेज हवा और आंधी के साथ ओलावृष्टि हुई। बीती रात को लगभग 10.30 बजे के आसपास सिवनी मालवा के विकासखंड के अधिकांश गांव में आबले के समान ओले गिरे। अचानक हुई इस ओलावृष्टि से किसानों के चेहरे पर डर का माहौल देखा गया। किशानो की गेहूं और चने की फसल लगभग लगभग पकने की तैयारी पर है और ऊपर से हुई कुदरत की मार से किसानों की फसलो में नुकसान भी हो सकता है। अचानक गिरे इस ओलावृष्टि से पशु पक्षियों आम पर आए मोर गेहूं, चना, टमाटर, की फसल में नुकसान हो सकता है। कई गांवो में गेहूं की फसल आडी होने की भी जानकारी मिल रही है। इन गांवो में हुई ओलावृष्टि जिसमें ग्राम खल, भमेडी, पिपलिया कला, बी जमानी, नाहरकोला कला, सूरजपुर, सांटई, गंगिया, मोरिया, बांकाबेड़ी, सोमलवाडा, हिरनखेडा, मकोडिया, नंदरवाडा, तीली आवली, केवला झिर, मालापाठ, सहित अधिकांश ग्रामों में ओलावृष्टि हुई है।

पचमढ़ी में महाशिवरात्रि मेला के दौरान चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने चिकित्सक नियुक्त

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पचमढ़ी में महाशिवरात्रि मेला के दौरान प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी पचमढ़ी स्थित विभिन्न पाइंटो पर चिकित्सा व्यवस्था के लिए चिकित्सको, पैरामेडिकल स्टाफ, एंबुलैंस आदि की तैनाती की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नर्मदापुरम ने बताया है कि कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार पचमढ़ी में चिकित्सको एवं सर्व संबंधितो की डयूटी 29 फरवरी से 9 मार्च तक लगाई गई है। बताया गया है कि डॉ.रिचा कटकवार खंड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पिपरिया को मेला प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। इनके मार्गदर्शन में उक्त अवधि में पचमढ़ी के कुल 14 पाइंट यथा चौरागढ़ अंडरपास, सीता नहानी, बीड़ क्षेत्र, बड़ा महादेव, भैरव गुफा, नांदिया, जटाशंकर, अस्थाई बस स्टेंड, अस्थाही वाहन पार्किंग, पगारा, मटकुली वैरियर कैम्प एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पचमढ़ी निर्धारित कर समस्त पाइंटो पर चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की तैनाती की गई है।

रश्मि देशमुख ने किया संयुक्त संचालक जनसंपर्क का पदभार ग्रहण

नर्मदापुरम। जिला जनसंपर्क कार्यालय नर्मदापुरम में सुश्री रश्मि देशमुख ने संयुक्त संचालक जनसंपर्क का पदभार आज 26 फरवरी 2024 को ग्रहण कर लिया है। सुश्री रश्मि देशमुख इससे पूर्व संभागीय जनसंपर्क कार्यालय उज्जैन में पदस्थ थी।

चार माह से घर से लापता महिला को पुलिस ने मिलाया परिजनों से

महिला जब घर पहुंची तो पुत्र की हो रही थी शादी

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा तहसील के ग्राम हिरण खेड़ा में रहने वाली श्रीमती सुशीला पत्नी सुरेश लोबांसी उम्र 50 साल जो लगभग चार महीने पहले घर से बगैर बताए कहीं चली गई थी। बुजुर्ग महिला मानसिक रूप से अस्वस्थ थी जिसका कोई अता-पता नहीं चल रहा था परिजनों की भी 4 महीने से खोज जारी थी, लेकिन महिला नहीं मिली।

बीते रोज जब रात मे पुलिस पेट्रोलिग के लिए निकली उस दौरान एएसआई कैलाश बड़कुड़ प्रधान आरक्षक संदीप शर्मा महिला आरक्षक सानू को एक महिला ग्राम झिल्लाय के पास बैठी हुई दिखी तब महिला से उसका नाम पता पूछा तो महिला ने अपना नाम सुशीला पत्नी सुरेश लोबांसी ग्राम हिरण खेडा का होना बताया पुलिस ने अपनी सतर्कता से उनके परिजनों से मोबाइल पर कहीं से नंबर लेकर पता करा तो महिला लगभग 4 महीने से घर से लापता होना बताई जा रही थी पुलिस के विशेष सहयोग से महिला को उनके परिजनों से मिलबाया। महिला की मिलने की खुशी परिवार में उस समय दुगुनी हो गई जब महिला का पुत्र उमेश लोबांसी की 26 तारीख विवाह बन्धन में बंधने जा रहा था। घर में अचानक हुई इस दोहरी खुशी से परिजन काफी खुश है और उन्होंने पुलिस के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

नगर पालिका के सेवा निवृत कर्मचारी की व्यथा

वृद्धावस्था, मुफ्त राशन योजना का लाभ सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भी मिले: सोनी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सरकार द्वारा कई जनकल्याणकारी योजनाएं अपने नागरिकों के हितार्थ चला रही है।उनका लाभ हक्क योजना अंतर्गत सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भी राज्य सरकारें दें।

यह बात सेवानिवृत्त नगर पालिका नर्मदापुरम के सेवानिवृत्त कर्मचारी शिवानंद सोनी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बड़े ही दुःखी मन से सेवा निवृत्त कर्मचारियों की व्यथा कही। श्री सोनी ने बताया कि वे 2 अक्टूबर 1982 से दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में काम करते हुए उन्हें 2009 में नियमित किया गया। उन्होंने बताया कि इससे पहले नियमितिकरण करने का 2003 में माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर ने नियमित किया जाने का नगर पालिका को आदेश दिया था। संभवतः हक्क योजना 2004 से लागू हुई है,परंतु निर्धारित समय में हीला-हवाली कर नियमित नहीं किया गया। श्री सोनी ने आगे बताया कि उनका नियमितिकरण 2009 में किया गया। इस कारण वे पुरानी पेंशन योजना के लाभ से बंचित हो गए। सरकार को चाहिए कि हक्क अंतर्गत सेवानिवृत्त कर्मचारियों को जो लाभ मिलेगा वह इस उम्र में पर्याप्त नहीं है। जबकि व्यक्ति इस आयु में पहुंचते-पहुंचते पराधीन जैसा जीवन जीने हेतु मज़बूर हो जाता है। अतः श्री सोनी ने सभी हक्क-योजना के अंतर्गत सेवानिवृत्त कर्मचारियों की स्थिति से सरकार का ध्यानाकर्षण करते हुए सुझाव/आग्रह किया है कि इन कर्मचारियों को अपनी

जनकल्याणकारी योजनाओं में सामिल कर के इन योजनाओं का लाभ देना चाहिए और इसके दिशा-निर्देश निर्धारित कर संबंधित विभागों को जारी करना चाहिए।

इससे इन कर्मचारियों को भी इन योजनाओं का लाभ मिलने से उन्हें कुछ राहत मिल सकेगी। हक्क के कई कर्मचारी नगर पालिका के सेवानिवृत्त हुए हैं। उनमें कई कर्मचारियों को भुगतान योग्य समस्त राशिओ का भुगतान अभि तक नहीं किया गया है।

श्री सोनी ने यह भी बताया कि वे नगर पालिका कर्मचारी संघ नर्मदापुरम में संयुक्त सचिव के पद रहे हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के वेतन से होने वाले कटोत्राओं का जमा संधारण समय-समय पर होता रहना चाहिए। जिससे सेवानिवृत्ति के समय राशि का भुगतान किया जा सके। और कर्मचारियों को आपने हक़ के लिए इस उम्र में कहीं और जाना-आना एवं भटकना व चक्कर न काटना पड़े। सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं में वृद्धा पेंशन योजना/मुफ्त राशन देने जैसी अन्य योजनाओं का लाभ मिल सके,इसके लिए शासन-प्रशासन/सरकार से अपेक्षा है कि इस ओर विशेष ध्यान दें, एवं ऐसा कुछ किया जावे जिससे इन कर्मचारियों को वृद्धा अवस्था में लाचारी युक्त जीवन जीना न पड़े।

पीएम जनमन मिशन के कार्यो से सहरिया जनजाति लाभांवित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जन-मन) पीव्हीटीजी मिशन के तहत विदिशा जिले में चिन्हित सहरिया जनजाति बाहुल्य समुदाय के नागरिकों को चिंहित तमाम योजनाओं का लाभ शत् प्रतिशत दिलाया जाना है।

कलेक्टर उमाशंकर भार्गव ने सहरिया जनजाति समुदाय के नागरिकों को अविलम्ब शासन की मंशा के अनुरूप हित लाभ से लाभान्वित किया जाए इसके लिए विशेष पहल की जा रही है। आदिम जाति कल्याण विभाग की जिला संयोजक श्रीमती पारुल जैन ने बताया कि सहरिया समुदाय बस्तियो में विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है एक शिविर में कई विभागों के अधिकारियों का समावेश हो रहा है और विभागीय योजनाओं से संबंधित दिक्कतो का समाधान मौके पवर किया जा रहा है।

बासौदा अनुविभाग क्षेत्र में सर्वाधिक सहरिया जनजाति की 147 बाहुल्य बस्तियां है इन गांव के रहवासियों को एसडीएम श्री विजय राय की पहल पर अविलम्ब चिन्हित योजनाओं, कार्यक्रमों के साथ-साथ आवागमनों की सहूलियत हेतु सडको का निर्माण कराया जा रहा है। एसडीएम विजय राय ने बताया कि बासौदा अनुविभाग क्षेत्र में सहरिया जनजाति वर्ग के नागरिकों को जाति प्रमाण पत्र प्रदाय करने की विशेष पहल की जा रही है जिसके तहत एक दिन में 150 से अधिक जाति प्रमाण पत्र जारी किए गए है और उन सबकी ऑन लाइन इंट्री लोकसेवा केन्द्र में की जा रही है इसी प्रकार अन्य योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है। पीएम जनमन कार्यक्रम शिविरो में आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जनधन खाता, जाति प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, समग्र आईडी, उज्जवला योजना, पात्रता पर्ची, संबल योजना सहित अन्य का हितलाभ प्रदाय कराने की कार्यवाही शिविर स्थल पर ही पूर्ण की जा रही है। कलेक्टर श्री भार्गव के द्वारा प्रत्येक अनुविभाग क्षेत्र में आयोजित होने वाले शिविरो की समीक्षा के लिए क्रास मानिटरिंग की व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई है।

लोकसभा चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष संपादित कराने के लिए, जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया टीमों का गठन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 का नर्मदापुरम जिले की चारो विधानसभाओं में स्वतंत्र, निष्पक्ष संपादन कराने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री सोनिया मीना ने विभिन्न टीमों का गठन किया है।

जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार लोकसभा क्षेत्र होशंगाबाद/नरसिंहपुर अंतर्गत नर्मदापुरम जिले की चारो विधानसभाओ यथा 136-सिवनीमालवा, 137- नर्मदापुरम, 138-सोहागपुर एवं 139- पिपरिया के लिए स्थैतिक निगरानी दल के लिए कार्यपालिक मजिस्ट्रेट संबंधित विधानसभा क्षेत्र के नाका यथा विधानसभा क्षेत्र सिवनीमालवा के पगढाल बैरियर थाना शिवपुर, हथनापुर नर्मदा ब्रिज के पहले थाना सिवनीमालवा, ढेकना, धारा बैरियर, नर्मदा ब्रिाज के पास बुधनी, विधानसभा क्षेत्र नर्मदापुरम अंतर्गत फोरलेन नर्मदाब्रिाज के पहले, धोखेड़ा, विधानसभा क्षेत्र सोहागपुर अंतर्गत सांकला मोतलसिर नर्मदा ब्रिाज पामली, नसीराबाद, तवापुल, विधानसभा पिपरिया अंतर्गत मटकुली, दुधी नदी पर एसएसटी अर्थात स्थैतिक निगरानी दल का गठन कर 3-3 कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किये गये हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री मीना ने बताया है कि गठित विधानसभावार स्थैतिक निगरानी दल द्वारा अपने-अपने कार्यक्षेत्र में अवैध शराब वितरण, रिश्वत की मदो या बड़ी मात्रा में नगर, अस्त्र-शस्त्र, गोला बारूद और समाज विरोधी तत्वों की आवाजाही पर कड़ी नजर रख नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। इसी तरह से लोकसभा निर्वाचन के दौरान नर्मदापुरम जिले की चारो विधानसभाओं के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री सोनिया मीना द्वारा निर्वाचन व्यय लेखे के संधारण एवं निगरानी के लिए तथा लेखे के संधरण एवं निगरानी के लिए विडियो दल अर्थात व्हीव्हीटी दल, जिले में शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्विधन चुनाव कार्य संपन्न कराए जाने एवं CVIJIL एवं ESMS के सुचारू संचालन के लिए जिला व्यय अनुवीक्षण प्रकोष्ठ के लिए दल का गठन चारो विधानसभाओ में अवैध गतिविधियों यथा नगद या वस्तु का वितरण, अवैध शस्त्रों, गोला बारूद, शराब या आसाजिक तत्वों आदि पर नजर रखने के लिए तथा निर्वाचन की शुचिता बनाए रखने के लिए विधानसभावार उड़नदस्ता दल अर्थात एफएसटी टी का गठन किया गया है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री सोनिया मीना ने उक्त दलो में संलग्न अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे सौंपे गये दायित्वों का पूरी ईमानदारी से संपादन करना सुनिश्चित करें।

नगर पालिका में प्रतिनिधित्व कार्य पर रोक लगाई जाए: अत्रे

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

नपा कर्मचारी मजदूर संघ के अध्यक्ष राजेश अत्रे ने बताया है कि निश्चित समयावधि में शासन की कायाकल्प योजना के पालन में शहर की प्रमुख सड़कों का निर्माण कार्य नहीं किया जा रहा है. तत्काल कार्य कराये जाने को लेकर पार्षद, पार्षद पति, देवर, पुत्र या अन्य रिश्तेदारों के द्वारा प्रतिनिधित्व के तहत कार्य को लेकर कर्मचारी अधिकारी पर अनावश्यक दबाव बनाया जाता है, गाली गलौज, झूमा झटकी, मारपीट की कोशिश की जाती है प्रतिनिधित्व जैसे कार्य पर रोक लगाई जावे नगरपालिका अधिनियम के पालन में अयोग्य घोषित किया जावे, इस आशय का पत्र मजदूर संघ पूर्व में कलेक्टर महोदय को दे चुका है. इन दिनों नगरपालिका कि आर्थिक स्थिति ठीक है विगत दिनों नगरपालिका के सीएमओ साहब के द्वारा सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा कि गयी थी व विश्वनीय सूत्रों से पता चला है कि नगरपालिका कि आर्थिक स्थिति अच्छी है होलिका जैसे महान पर्व कि गरिमा को समझते हुए सांतवे वेतनमान कि अंतिम किश्त व मंहगाई भत्ता एरियर्स का भुगतान कर्मचारियों को किया जावे कार्यालय कलेक्टर व नगरपालिका कि आवक जावक शाखा में कर्मचारियों के हित संरक्षण में मांग पत्र दिये गये है।

एफएलसी के दौरान पाई गई खराब ईव्हीएम/व्हीव्हीपेट मशीनें रवाना की जाएगी

नर्मदापुरम। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार जिले में एफएलसी के दौरान पाई गई ऐसी ईव्हीएम मशीने एवं व्हीव्ही पेट मशीने जो क्रियाशील नही पाई गई है उन्हें 27 फरवरी 2024 को प्रातः 11 बजे जिले से गठित दल द्वारा जिला कार्यालय के तवा भवन स्थित ईव्हीएम वेयरहाउस से जिला भोपाल रवाना किया जाएगा। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने विभिन्न राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों/प्रतिनिधियों को उक्त जानकारी से अवगत कराते हुए कहा है कि वे इस अवसर पर निर्धारित समय पर वेयर हाउस से मशीनों के निकाले जाने से मशीनों रवाना किये जाने तक उपस्थित रहने का कष्ट करें।

धोखाधड़ी से जमीन खरीदने बेचने की संभावना शून्य

सीहोर। साइबर तहसील की व्यवस्था से अब लोग गांव से ही नामांतरण के लिए आवेदन भर देते हैं। उनका नाम खाते में दिखने लगता है। कृपाल सिंह ठाकुर की अपनी पांच एकड़ पुश्तैनी जमीन है जो पिताजी प्रह्लाद सिंह ठाकुर के नाम है। पिताजी सौ साल करीब के हो गए हैं। जब उन्होंने अपने पिताजी को तहसील व्यवस्था के बारे में बताया कि तो वे भी जल्दी नामांतरण होने से खुश हुए।

मेट्रो एंकर | दोषपूर्ण भू-अभिलेख और नक्शे की विसंगतियां विशेष शिविर लगाकर दूर की जाए

किसानों ने अपनी मांगों को लेकर सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

सिवनी मालवा , दोपहर मेट्रो

वर्तमान समय में किसानों को अनेकानेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, किसानों ने अपनी मांगों को लेकर एक ज्ञापन मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नाम का सिवनी मालवा तहसीलदार राकेश खजूरिया को सौंप कर शीघ्र ही निराकरण करने की मांग की। किसानों ने ट्रैक्टरों की एक रैली हनुमान मंदिर से तहसील कार्यालय के सामने पहुंची और वहां पर ज्ञापन दिया। ज्ञापन में किसानों की मांग थी कि-

कृषि कार्य के लिए आवश्यक खाद, बीज, दवाई, कृषि उपकरण और मजदूरी आदि की दरें बढ़ जाने से कृषि उत्पादन लागत का बढ़ना स्वाभाविक है। विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान की गई घोषणाओं के अनुसार गेहूं की खरीद 2700 रुपए और धान की खरीद 3100- रुपए प्रति क्विंटल के लिखित आदेश तुरंत जारी किए जाएं।

नर्मदापुरम जिले की अधिकांश तहसील में भू-अभिलेख और नक्शे में भारी विसंगतियां होने के कारण किसान आपसी विवादों में उलझकर अपनी खेती पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। अतः दोषपूर्ण भू-अभिलेख और नक्शे की विसंगतियां तत्काल विशेष शिविर लगाकर दूर की जाएं।

रबी फसलों की कटाई का समय आ गया है और ग्रीष्मकालीन मूंग की फसलों की तैयारी के लिए समय पूर्व

खाद-बीज की व्यवस्था सहकारी समितियों के माध्यम से, और सिंचाई की व्यवस्था तवा बांध में उपलब्ध जल को देखते हुए प्रत्येक नहर के सिंचित रकबे के अनुपात में अधिक से अधिक क्षेत्र तक (रकबा बढ़ाया जाए) सिंचाई करना सुनिश्चित किया जाए।

फसल गिरदावरी और फसल उत्पादन का आकलन सैटेलाइट से न करते हुए पूर्व की तरह रेंडमाइजेशन खसरा नंबरों पर कृषि विभाग, राजस्व विभाग और बीमा कंपनियों के कर्मचारियों द्वारा ही किया जाए।

शासन द्वारा किसानों को खाद बीज पर दिया जाने वाला अनुदान किसानों को उनके बैंक खाते में ही दिया जाए ताकि किसान अपनी पसंद से अच्छी गुणवत्ता का खाद बीज बाजार में किसी भी विक्रेता से ले सकें। जैसे कि कृषि यंत्र आदि पर दिया जाता है।

ग्रीष्मकालीन फसलों की सिंचाई हेतु कृषि फीडरों से बिजली की दिन में लगातार 14 घंटे आपूर्ति दी जाए, जले हुए या खराब ट्रांसफर शीघ्र बदले जाएं।

वर्तमान रबी सीजन में फसलों की सिंचाई अब पूरी होने को है अतः तवा बांध से नहरों में पानी की निकासी किसानों की मांग के अनुसार करते हुए तवा के जल का संरक्षण सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष गुर्जर संतोष पटवारे, संभागीय अध्यक्ष नरेंद्र सिंह राजपूत, जिला अध्यक्ष राजेश जाट, जिला महासचिव कमलेश राजपूत, जिला संगठन मंत्री सुरेंद्र राजपूत, तहसील अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह गुर्जर, तहसील कार्यकारिणी सदस्य मनोज पाल, अशोक राठौर सहित सैकड़ों किसानों ने धरना आंदोलन में सहभागिता निभाई।

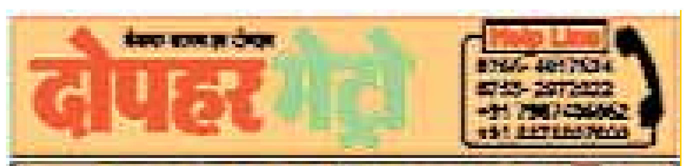

काली घटाओं ने आसमान पर जमाया डेरा, किसानों की बढ़ी धड़कनें, मौसम में घुली ठंडक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

मौसम में लगातार बदलाव हो रहा है सोमवार को सुबह से ही तेज हवाओं के साथ आसमान पर बादलों ने डेरा जमाना प्रारंभ कर दिया था दोपहर के बाद तो हवाओं के साथ काली घटाएं आसमान पर नजर आ रही थी जिनको देखकर कृषकों की चिंताएं सातवें आसमान पर पहुंच गई है। इस समय अधिकांश किसानों की फसले खेतों में खड़ी हुई है कुछ फासले पककर तैयार हो उनकी कताई का काम भी जोर-जोर से किया जा रहा है । हर साल फासले जब भी आने वाली होती है तो मौसम इसी तरह किसानों को विपरीत खड़ा हो जाता है। इस समय बारिश के साथ ओले गिरने की ज्यादा संभावना होती है उसकी वजह से किसानों की फसल पूरी तरह से चैपट हो जाएंगे जिस तरह की जानकारी अन्य जगहों से मिले ही साथ ही मौसम विभाग के द्वारा बारिश के साथ ओलावृष्टि की संभावना भी जताई है इसके कारण किसानों की चिंताएं बढ़ने लाजमी है। वैसे ही हर साल प्रकृति का आपदा की चपेट में आने से किसानों की फसले चैपट हो रही है। इसके चलते खेती घाटे का सौदा साबित हो रही नुकसान होने के कारण किसान कर्ज के बोझ में दबे हुए हैं। विपरीत मौसम को देखते हुए अधिकांश किसान भगवान की शरण में पहुंचकर उनकी पूजा पाठ तथा भजन कीर्तन का आयोजन भी करवा रहे हैं।ठंडी हवाएं चलने से कड़ाके की सर्दी का दौर भी एक बार फिर प्रारंभ हो गया है जो गर्म कपड़े रख दिए गए थे उनको भी बाहर निकाल लिया गया ठंड के कारण घरो से निकलना मुश्किल हो रहा दिन में भी ठंड का एहसास हो रहा था एक बार फिर ठंड से बचने के लिए लोग आग जला।

प्रधानमंत्री जन मन अभियान के तहत, एसडीम तहसीलदार ने बनवाए आदिवासियों के दस्तावेज

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सोमवार को प्रधान मंत्री जन मन योजना अंतर्गत सिरोंज विकासखंडों के 42 ग्रामों में से 7 सर्वाधिक पेंडेंसी वाले ग्रामों के आदिवासी के जरूरी दस्तावेज बनवाने का काम एसडीएम हर्षल चैधरी, तहसीलदार संजय चैरसिया, जनता शिव वंदना शर्मा तथा नायव तहसील इस काम में पूरी ताकत से झूठे हैं सोमवार को 7 ग्रामों में पहुंचे ।वहीं ग्राम भूखरी आदि ग्रामों में एसडीएम तहसीलदार ने पहुंचकर आदिवासियों के आधार कार्ड से लेकर गरीबी रेखा कार्ड, राशन पर्ची, संबल योजना कार्ड, आयुष्मान कार्ड, मंत्री प्रधानमंत्री आवास, जन्म प्रमाण पत्र आदि का कार्य युद्ध स्तर पर इस काम को प्राथमिकता पर करवाया इसके लिए सबसे पहले आधार कार्ड बनाने का काम किया गया इसके बाद बाकी के दस्तावेज बनवाए गए क्योंकि आज भी कई आदिवासियों के पास स्वयं के दस्तावे नहीं होने के कारण शासन योजना के लिए परेशान होना पड़ रहा है। इसलिए सभी बिभागों के अमले को लेकर अधिकारी गांव गांव पहुंचे और उन्होंने संपूर्ण प्रक्रिया अपनाकर युद्ध स्तर पर इस काम को करवाया जा रहा है।

जनजातीय युवाओं के लिये स्वरोजगार की तीन नई योजनाओं में 25 लाख की वित्तीय सहायता

सीहोर, दोपहर मेट्रो।

जनजातीय कार्य विभाग के अधीन आदिवासी वित्त एवं विकास निगम द्वारा तीन नई वित्तीय सहायता योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें से भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री अनुसूचित जनजाति विशेष परियोजना वित्त पोषण योजना और टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के माध्यम से जनजातीय वर्ग के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उनके समग्र कल्याण के प्रयास किये जा रहे हैं। आदिवासी वित्त एवं विकास निगम को भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना में वित्तीय सहायता की व्यवस्था की जा चुकी है। इस योजना में जनजातीय युवाओं को विनिर्माण गतिविधियों के लिए एक लाख से 50 लाख रूपये तथा सेवा व व्यवसाय गतिविधियों के लिए एक लाख से 25 लाख रूपये तक की वित्तीय सहायता बैंकों के माध्यम से दी जाती है। बैंक ऋण पर अधिकतम सात वर्षों के लिए पाँच प्रतिशत ब्याज अनुदान एवं बैंक गारंटी का भुगतान शासन द्वारा किया जाता है।

टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना में निगम द्वारा पात्र हितग्राहियों को आर्थिक सहायता वितरित का प्रावधान किया जा चुक हैं। इस योजना में जनजातीय युवाओं को 10 हजार से एक लाख रूपए तक की स्व-रोज़गार परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता बैंकों के माध्यम से दी जाती है। बैंक ऋण पर अधिकतम पाँच वर्षों के लिए सात प्रतिशत ब्याज अनुदान एवं बैंक गारंटी राज्य शासन द्वारा दी जाती है। इन दोनों योजनाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं लाभ प्राप्ति के लिए समस्त पोर्टल जिला स्तर पर जिला संयोजक जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति कल्याण कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

अब प्रशासन ने कहा कि पूछताछ करेंगे

शब-ए-बारात: अंधेरे में पढ़ी लोगों ने फातिहा मोबाईल की टार्च का लिया सहारा

नपा ने नहीं कराई लाईट की व्यवस्था न मस्जिदों के बाहर कराई सफाई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

मुस्लिम समाज का त्यौहार शबे कद्र समाज के लोगो ने इबादत कर अपने पूर्वजों को याद कर फातिहा पडकर मनाया गया । षबे बारात के मोके पर मुस्लिम समाज के लोग अपने अपने कब्रिस्तानों पर पहुॅच कर अपने अपने पूर्वजों की कब्रो पर फातिहा पड़ने जाते है परंतु इस बार समाज के लोगो में नपा के प्रति नारजगी देखी गई । चूकि कब्रिस्तानों में लाईट एवं सफाई की व्यवस्था नगर पालिका द्धारा कराई जाती थी जो कि इस मात्र एक दो कब्रिस्तान तक सीमिति रही षेष लगभग 95 प्रतिषत कब्रिसतानों में औपचारिकता के लिए खंबो पर एक एक हेलोजन टांग दी गई । इसके साथही नगर पालिका पारिषद नें कब्रिस्तानों की साफ सफाई पानी लाईट की व्यवस्था नही की गई जिससे लोगो में काफी रोष व्याप्त है और लोग अपने अपने मोबाईल की टॉचो की मदद से कब्रिस्तान के अंदर गये और लोगो ने फातिहा पडी । देखा जाए कि हर वर्ष नगर पालिका परिषद साफ सफाई लाईट चूने की लाईने डालकर सारी सुवस्थति व्यवस्थाऐं मुहैया कराती थी लेकिन इस वर्ष न तों साफ सफाई कराई गई और न ही पर्याप्त लाईट की व्यवस्था की गई और न ही कब्रिस्तानों के आगे चूने की लाईन डाली गई । वही उडी बाबा के नाम से मषहूर कब्रिस्तान में न तो लाईट दिखी

और नही चूने की लाईन दिखी केवल कब्रस्तान के बाहर खंभे पर पीली हैलोजन औपचारिकतापूर्ण लगी दिखाई दी सूत्रों की माने तो - जब हमारे संवाददाता नें कुछ मुस्लिम समाज के लोगो से पूछा कि इसमे लाईट नही है तों उनका जवाब था कि लाईट नही है कई कब्रस्तानों में तो निजि पैसे से लाइट व्यावस्था की गई हैरत की बात यह है कि कुछ मुस्लिम पार्षदों ने भी सिर्फ अपने कब्रस्तानों में पर्याप्त व्यावस्था कराकर रस्म अदायगी करदी ।

आवेदन देने के बाद औपचारिकता

देखा जाए तो मुस्लिम त्यैहार कमेटी के द्वारा नगर पालिका एचओ को आवेदन भी दिया गया था परंतु नगर पालिका द्वारा उस आवेदन को गंभीरता से नही लिया गया जिसका खामयाजा समाज के लोगो को भुगतना पड़ा और अंधेरे में ही अपने पूर्वजो को बख्शाना पड़ा ।देखा जाए तो नगर पालिका के अध्यक्ष,उपाध्यक्ष और पार्षदों द्वारा नगर में अन्य समाजों के जो भी त्यैहार चल समारोह निकलते है उनका काफी धूम धाम से पुष्प वर्षा कर स्वागत किया जाता है परंतु शब ए बारात पर नगर पालिका द्वारा बरती जा रही लापरवाही से समाज में नाराजगी है।

इनका कहना है -

जबसे भाजपा की नगर पालिका परिषद बनी है जबसे ही उपेक्षा की जा रही है शबे ए कद्र के दिन रात के अंधेरे में कब्रस्तान पहुंचकर मुस्लिम समाज के लोगो ने फातेहा पड़ी काफी निंदनीय है किड़ी मोहल्ला,ईदगाह आदि जगह के कब्रस्तानों में भी यही हाल रहा ।

***अल्ताफ खांन,** अध्यक्ष मुस्लिम महासभा सिरोंज*

जबसे नगर पालिका में अध्यक्ष उपाध्यक्ष दौहरा मापदण्ड अपना रहे है कई कब्रस्तानों की साफ सफाई न होना निंदनीय है न ही कब्रस्तानों के बाहर सफाई कराई गई इसकी वरिष्ठ अधिकारीयों से चर्चा करेंगें।

***शोएब खान** एडवोकेट पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष*

नगर पालिका ने भेदभाव करा कुछ पार्षदों ने अपने वार्ड एवं अपने कब्रस्तानों में लाइट अंदर लगवाली थी शेष कब्रस्तानों में व्यावस्था नही थी रोड पर खंभो में मात्र औपचारिकता पूर्ण लगाई थी जिससे कब्रस्तानों में अंधेरा रहा न ही मुस्लिम त्यैहार कमेटी से प्रषासन ने संपर्क किया साथ ही वाह वाही लूटने कुछ लोगो द्वारा सोषल मीडिया के प्लेटफार्म पर प्रषासन का धन्यवाद देते दिखाई दिए जो गलत है हम इसकी निंदा करते है उनका कोई उचित नही बनता वह मुस्लिम समाज का कहकर बधाई दे रहे है ।

***डॉ0 मो0वसीम** अध्यक्ष मुस्लिम त्यैहार कमेटी सिरोंज*

गददी समाज में भी शब ए बारात पर नगर पालिका द्वारा लाइट व्यावस्था एवं सफाई न कराने के कारण रोष व्याप्त है हमने निजि खर्चे से लाइन लगवाई एवं सफाई व्यावस्था करवाई नगर पालिका के जिम्मेदारों को इस और ध्यान देना चाहिए।

***हाफिज शम्स** कमरहम्माल तुलावट संघ अध्यक्ष*

प्रशासन त्यैहारों को लेकर बैठक आयोजित करता है जिसमें संबंधित विषयों पर चर्चा होती है परंतु इस बार किसी भी अधिकारी द्वारा कोई चर्चा नही की गई 95 प्रतिषत कब्रस्तानों में अंधेरा था, बाहर सड़कों पर भी सफाई नही थी न ही मस्जिदों के बाहर चूना डाला गया वही अधिकांष कब्रस्तानों में समाज के युवाओं ने सफाई की थी आगे भी करेंगे अगली बार से हम खुद ही कोषिष करेंगें की नगर पालिका एहसान न लें क्योंकि नगर पालिका का हमारे लिए सहयोग उट के मुंह में जीरा है मुस्लिम पार्षदों को भी इस और ध्यान देना चाहिए था और आगे आकर सभी कब्रस्तानों मस्जिदों के बाहर सफाई एवं लाइट की व्यावस्था कराना चाहिए थी ।

***डॉ.रजी खान** जिला सह सचिव वक्फ कमेटी*

आपके माध्यम से मुझे यह जानकारी मिली है मैं नगर पालिका सीएओ से बात करके दिखवाता हूं।

***हर्षल चैधरी** एसडीएम सिरोंज*

गेंहू, चना, सरसों, मसूर का पंजीयन कार्य जारी, अंतिम तिथि का इंतजार ना करें कृषक बंधु

विदिशा। रबी विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जित करने के लिए किसानों की सुविधा के लिए पंजीयन प्रक्रिया निर्धारित की गई है। जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रश्मि साहू ने बताया कि गेंहू हेतु पंजीयन प्रक्रिया 05 फरवरी से शुरू हुई है जो एक मार्च तक जारी रहेगी। इसी प्रकार चना, मसूर, सरसो को समर्थन मूल्य पर विक्रय करने हेतु पंजीयन कार्य जारी है जिसकी अंतिम तिथि दस मार्च नियत की गई है। जिले के कृषकबंधु 123 पंजीयन केन्द्रो में गेंहू, चना, सरसो, मसूर हेतु पंजीयन करा सकते है। किसान निःशुल्क पंजीयन के लिए तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र, ग्राम पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र, जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रए एमपी किसान एप पर किसान पंजीयन एक मार्च 2024 तक निःशुल्क कर सकते हैं।

गेंहू के लिए अब तक 30544 ने पंजीयन कराया: जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रश्मि साहू ने बताया कि विदिशा जिले में समर्थन मूल्य पर गेंहू विक्रय हेतु अब तक 30544 किसानों के द्वारा पंजीयन कराया जा चुका है। तहसीलवार हुए पंजीयन की जानकारी तदानुसार विदिशा में 9065, शमशाबाद में 3557, ग्यारसपुर में 2356, नटेरन में 2864, बासौदा में 2247, विदिशा नगर में 1261, गुलाबगंज में 1064, कुरवाई में 1831, लटेरी में 1721, पठारी में 836, सिरोंज में 2001 तथा त्योंदा तहसील में 846 किसानों ने समर्थन मूल्य पर गेंहू विक्रय हेतु पंजीयन कराया है।

कन्या कॉलेज में कल तक मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान पर्व

विदिशा । राजमाता विजयाराजे सिंधिया शासकीय कन्या (अग्रणी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय विदिशा में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन 28 फरवरी को किया जाएगा। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. नीता पांडेय के निर्देशन में महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान पर्व 27 फरवरी से 28 फरवरी तक श्री चंद्रशेखर वेंकट रमन द्वारा रमन इफेक्ट की खोज के उपलक्ष्य में एनसीएसटीसी, डीएसटी भारत सरकार एवं एमपीसीएसटी भोपाल के तत्वावधान में डॉ. विनीता प्रजापति के संयोजन में हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाएगा।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2024 का विषय श्विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीकीश् है। इस अवसर पर महाविद्यालय द्वारा विशेष व्याख्यान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, मॉडल प्रदर्शनी, वाल पेंटिंग प्रतियोगिता, पॉवर प्वाइंट प्रस्तुति प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें महाविद्यालय की छात्राएं बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाएंगी। विगत दस दिनों से महाविद्यालय में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान के लिए वैज्ञानिक उपलब्धियों तथा वैज्ञानिक अनुसंधानों पर चर्चा की जाएगी।

मिलावट से मुक्ति अभियान सतत क्रियान्वित

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर उमाशंकर भार्गव के द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में खाद्य विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के द्वारा जिले के खाद्य प्रतिष्ठानों के साथ-साथ व्यवसाय संचालकों के यहां सतत निरीक्षण की कार्यवाही की जा रही है।

मिलावट से मुक्ति अभियान की मंशा से जन-जन को अवगत कराने के लिए हर स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार के कार्य भी संपादित हो रहे है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती एडलिन ई पन्ना ने बताया कि सोमवार को विभागीय अमले के द्वारा औचक निरीक्षण कर खाद्य लायसेंस के दस्तावेंजो की जांच की गई है। वहीं दुकानो में साफ सफाई बनाए रखने हेतु पाबंद किया गया है। इस दौरान सेम्पलिंग की भी कार्यवाही जारी रही। उन्होंने बताया कि खामखेडा में स्थित शुभम स्वीट्स होटल से मिल्क, मावा, पनीर के नमूने लिए गए है।वहीं श्याम इंडस्ट्रीज विदिशा से घी लूज एवं पैकिंग घी के नमूने जांच हेतु एकत्रित किए गए है जो राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल को भेजे गए है।

मेट्रो एंकर

त्रिभुवनपुर में बन रही निर्माणधीन पुलिया में जमकर हो रहा भ्रष्टाचार, जिम्मेदार बेखबर

क्षेत्र में गुणवत्ताहीन हो रहे है निर्माण कार्य !

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सरकार एक तरफ भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने और जिरोटालरेंस की निति पर काम करने की बात कर रही है। वहीं दूसरी तरफ जनपद में कार्यरत जिम्मेदार अधिकारियों के चलते केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी मनरेगा योजना जमीनी धरातल पर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है। गांव के मजदूरों को गांव में ही रोजगार उपलब्ध कर मजदूरों को दूसरे प्रदेश में पलायन से रोकने के लिए चलाई जा रही मनरेगा योजना जिम्मेदारों के चलते भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, तकनीकी सहायक, विकास खंड अधिकारी जिनके द्वारा इस योजना में जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। ऐसा ही एक मामला क्षेत्र के तिरभुवनपर पंचायत में देखने को मिला जहां पर शासन द्वारा 14 लाख 98 हजार रुपए की एक पुलिया स्वीकृत की गई है। जिससे गांव के लोगों को अन्य गांवों एवं खेतों पर जाने के लिए रास्ता सुगम हो सके। क्योंकि क्षेत्र की बागमती नदी यहीं से होकर निकली है। जिस पर इस पुलिया के बनने के बाद लोगों को आने-जाने में आसानी होगी एवं बारिश के मौसम में लोग गांव से बाहर निकलने में कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लेकिन जिम्मेदारों की मिली भगत इस निर्माणधीन पुलिया में जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। रोजगार सहायक द्वारा सिर्फ कागजों में ही मस्टर चला कर इन मजदूरों के खाते में राशि डाली जा रही है लेकिन जमीन स्तर पर कोई काम करता मजदूर दिखाई ही नहीं दिया। पुलिया के निर्माण का कार्य पंचायत सरपंच द्वारा एक ठेकेदार को दिया गया है। उक्त ठेकेदार अपने आधुनिक मशीनों एवं बाहर से लाई गई लेबर द्वारा निर्माण कार्य कर रहा है। निर्माण कार्य की स्थिति देखी जाए तो इतना घटिया है कि पहली बार की बारिश ही नहीं झेल पाएगा। क्योंकि निर्माणधीन पुलिया के पाइपों के बीच में मिट्टी से भरकर कंप्लीट कराया गया है, बाहर से ऐसा लगे जैसे पाइपों के बीच कंक्रीट से भरा गया हो, लेकिन पाइपों के किनारो पर रेत, गिट्टी, सीमेंट डालकर जिम्मेदार

अधिकारियों को फोटो व्हाट्सएप कर दिए गए जबकि जमीनी स्तर पर उक्त पाइपों में सिर्फ मिट्टी से भरकर कार्य किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि घटिया निर्माण की शिकायत स्थानीय स्तर पर की जा चुकी है लेकिन कोई अधिकारी देखने तक नहीं आया है, इसीलिए अब हम सब लोग चुपचाप बैठ गए हैं।क्योंकि यह सभी की मिली भगत से हो रहा है कोई सुनने वाला नहीं है। वही खुलेआम पुलिया के निर्माण में भ्रष्टाचार किया जा रहा है, लेकिन अधिकारी हाथ पर हाथ रखे बैठे हुए हैं।

कागजी आंकड़ों में कार्य समाप्ति और पेमेंट: सबसे बड़ी बात हैं कि मनरेगा योजना से हो रहे कार्यों में कहीं भी कार्य स्थल कार्य शुरू होने और समाप्ति तक डिस्पले बोर्ड नहीं लगता। डिस्पले बोर्ड तब लगाया जाता है। जब उस परियोजना का कागजी आंकड़ों में काम होकर पेमेंट हो जाता है। ताकि ग्रामीणों को इसकी जानकारी न होने पाएं की किस योजना से क्या कार्य हो रहा है। कितने मजदूर काम कर रहें हैं, और कितने मजदूरों का फर्जी हाजिरी लगाकर पेमेंट कराया जा रहा है। इसमें सबसे बड़ी समस्या उन मजदूरों को हो रही जो वास्तविक मजदूर हैं। और उनको रोजगार नहीं मिल पा रहा है। इस समय मनरेगा योजना में सरकारी धन का बंदरबाट खूब हो रहा है। जिसका जीता जाता उदाहरण त्रिभुवनपुर पंचायत में बन रही निर्माणधीन पुलिया का सामने आया है जहां पर कागजों में ही मजदूर एवं धरातल घटिया निर्माण कार्य किया जा रहा है।

ठेकेदार ने स्वीकारा कहा हम ही कर रहे हैं कार्य : जब शनिवार को नवदुनिया की टीम ने त्रिभुवनपुर गांव के बाहर बेगमती नदी किनारे पर बन रही निर्माणधीन पुलिया का जायजा लेने पहुंची, तो बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिया का निर्माण कार्य कर रहे ठेकेदार ने नवदुनिया से बात करते हुए स्वीकारा कि यह निर्माण कार्य में स्वयं देख रहा हूं।

जमीनी स्तर पर ठेकेदार कर रहे कार्य, कागजों में मजदूर

सिरोंज विकास खंड के गांवों में मनरेगा योजना में जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है ।जब इसकी जमीन स्तर पर पड़ताल की गई तो मनरेगा योजना में हो रही भ्रष्टाचार की कलई परत दर परत खुलकर सामने आने लगी है, जो गांव में कभी साइड पर नहीं जाते हैं उनके नाम से साइड पर कार्य करते हुए आनलाइन मास्टरोल में हाजिरी लगाई जा रही है ।ग्राम पंचायत में नियुक्त उपयंत्री द्वारा बिना साइड पर गए एमबी कर दी जाती हैं, मजदूरों के खाते में पैसे भेज कर निकलवा लिया जाता है ।जिसमें दो चार सौ रुपए उन मजदूरों को पैसे दे दिए जाते है, जिनको मनरेगा मजदूर बनाया गया और वो कभी साइड पर नहीं जाते हैं ।कागजों में ही मजदूरों की संख्या और फोटो में ही मजदूर दिखाए जा रहे हैं ।जबकि जमीन स्तर पर कार्य ठेकेदार एवं अन्य लोग कर रहे हैं ।

इनका कहना है -

2 दिन पहले उक्त निर्माण कार्य का जायजा लेने गया था, उस समय गांव के मजदूरी ही कार्य कर रहे थे। अब कौन कार्य कर रहा है इसकी मुझे जानकारी नहीं है। पुलिया के पाइपों के बीच में मिट्टी ही भरी जाती है। इसमें कोई परेशानी नहीं है।

मनोज कुशवाह उपयंत्री

मैं दिखवाती हूं, यदि घटिया निर्माण कार्य किया जा रहा है, तो जांच करा कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

***वंदना शर्मा** सीईओ*

कार्यालय थाना प्रभारी थाना कोहेफिजा भोपाल

दूरभाष नं. 0755-2677317,2443260 Email Pskohefizabpl@gmail.com)

क्रं./थाप्र/कोहे/भो/डी-08/24 दिनांक 23.02.2024

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना कोहेफिजा के गुम. ई.08/2024 में गुम.ई. महिला-अर्चना अहिरवार पति वीरेन्द्र अहिरवार उम्र लगभग 25 साल नि. केयरवेल अस्पताल भोपाल, रंग गोरा, कद 4 फीट 10 इंच, थोडी पर तिल, जो नीले रंग की साड़ी पहने है पैरों में चप्पल पहने है।

अतः उक्त महिला-अर्चना अहिरवार पति वीरेन्द्र अहिरवार उम्र लगभग 25 साल के संबंध में कोई जानकारी मिलती है तो कृपया कर थाना प्रभारी कोहेफिजा भोपाल नंबर 9479990583 या जाँचकर्ता के मोबाईल नंबर 7049105790 पर या आफिस के नंबर 9479990687 तत्काल संपर्क करें।

थाना प्रभारी
थाना कोहेफिजा भोपाल

G-24827/23

टीम इंडिया के खिलाड़ियों को बीसीसीआई कर देगी मालामाल!

सैलरी बढ़ने के साथ मिलेगा बोनस

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों की सैलरी जल्द ही बढ़ सकती है. बीसीसीआई टेस्ट सीरीज खेलने वाले प्लेयर्स को बोनस भी देने का सोच रही है. भारतीय क्रिकेट टीम के कई खिलाड़ी टेस्ट और घरेलू सीरीज को छोड़कर इंडियन प्रीमियर लीग पर ज्यादा फोकस करते हैं. टीम इंडिया के खिलाड़ियों पर यह आरोप कई बार लग चुका है. अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड टेस्ट फॉर्मेट को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम उठा सकता है. रिपोर्ट्स की मानें तो बीसीसीआई टेस्ट मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सैलरी बढ़ा सकती है. इसके साथ ही सभी सीरीज में खेलने वाले प्लेयर्स को बोनस भी मिल सकता है. एक खबर के मुताबिक बीसीसीआई आईपीएल 2024 के बाद टेस्ट प्लेयर्स की सैलरी बढ़ा सकती है. बीसीसीआई हर टेस्ट सीरीज में खेलने वाले प्लेयर्स को बोनस भी दे सकती है. बोर्ड ये बदलाव एक अहम वजह से करना चाहता है. कई प्लेयर्स आईपीएल में फिट रहने के लिए रणजी ट्रॉफी और घरेलू मैचों को छोड़ रहे हैं. हाल ही में ईशान किशन इसको लेकर चर्चा में रहे थे. रिपोर्ट्स के मुताबिक ईशान ने बीसीसीआई के कहने के बावजूद झारखंड के लिए मैच नहीं खेला था. श्रेयस अय्यर ने भी रणजी ट्रॉफी का क्वार्टर फाइनल मैच छोड़ दिया था. बीसीसीआई अभी एक टेस्ट मैच के लिए खिलाड़ियों को 15 लाख रुपए देती है. उनकी सैलरी 2016 में डबल कर दी गई थी. वहीं एक वनडे मैच के लिए खिलाड़ियों को 6 लाख रुपए मिलते हैं. एक टी20 मैच के लिए प्लेयर्स को 3 लाख रुपए सैलरी के तौर पर मिलते हैं. टीम इंडिया के खिलाड़ियों को ग्रेड के हिसाब से सालाना सैलरी भी दी जाती है. प्लेयर्स का बोर्ड के साथ कॉन्ट्रैक्ट होता है. बता दें कि खिलाड़ियों की सैलरी आईपीएल के बाद बढ़ सकती है. टीम इंडिया फिलहाल इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है. भारत ने इस सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना ली है. इंग्लैंड ने सीरीज का पहला मैच 28 रनों से जीता था. भारत ने इसके बाद लगातार तीन मैच जीते।

बड़ी क्रिकेटिंग कंट्रीज के खिलाड़ी शामिल होंगे

इंग्लैंड के एजबेस्टन में मैदान पर 3 जुलाई से होगा टी-20 लीग

नईदिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड के एजबेस्टन में मैदान पर 3 जुलाई से होगा टी-20 लीग इंग्लैंड में साथ खेलते नजर आएंगे युवराज, अफरीदी और पीटरसन अगर आप युवराज सिंह, शाहिद अफरीदी या केविन पीटरसन जैसे दिग्गज क्रिकेटर्स के फैन हैं तो आपके लिए अच्छी खबर है। ये सितारे एक साथ टी-20 लीग खेलते नजर आएंगे। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड से मान्यता प्राप्त वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लिजेंड्स नाम की लीग में ये खिलाड़ी अगली गर्मियों में इंग्लैंड के एजबेस्टन में मैदान में उतरेंगे। लीग की शुरुआत 3 जुलाई से होगी।

बड़ी क्रिकेटिंग कंट्रीज के खिलाड़ी शामिल होंगे

इस लीग में भारत, पाकिस्तान और इंग्लैंड के अलावा ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज से भी ऐसे खिलाड़ी शिरकत कर सकेंगे जो या तो रिटायर हो चुके हैं या इस समय किसी बोर्ड के कॉन्ट्रैक्ट में नहीं बंधे हैं। बॉलीवुड फिल्म एंड म्यूजिक प्रोडक्शन कंपनी जबावा एंटरटेनमेंट इस टूर्नामेंट को ऑर्गेनाइज कर रही है।

90 और 2000 के दशक के सितारे दिखेंगे

जबावा के डायरेक्ट हर्षित तोमर ने कहा- इस लीग में वैसे खिलाड़ी खेलेंगे जिनके दुनियाभर में करोड़ों फैंस हैं। इन खिलाड़ियों ने 90 और 2000 के दशक में अलग-अलग देशों में अपने प्रदर्शन से लोगों का दिल जीता है। डब्ल्यूसीएल के प्लेटफॉर्म पर दर्शकों को इन्हें फिर से देखने का मौका मिलेगा। युवराज, अफरीदी और पीटरसन से कॉन्ट्रैक्ट हो चुका है। बाकी सितारों के नाम की घोषणा भी जल्द होगी।

टी-20 क्रिकेट के पहले पावर हिटर हैं युवराज

भारतीय सितारे युवराज सिंह की गिनती टी-20 क्रिकेट में पावरहिटिंग की शुरुआत करने वाले बल्लेबाजों में होती है। उन्होंने 2007 टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में छह छक्के जमाए थे। युवराज इस फॉर्मेट के इंटरनेशनल क्रिकेट में यह कारनामा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने थे। वहीं शाहिद अफरीदी ने 1996 में नैरोबी में श्रीलंका के खिलाफ 37 गेंदों पर शतक जमाया था। लंबे अरसे तक यह वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड था।

एक ही दिन चमकी दो गोल्फर्स की किस्मत

बाउंसर रहे जैक ने जीता पहला पीजीए टूर, डीन को मिली डेढ़ करोड़ की प्राइज मनी

रस, एजेंसी

कहते हैं किस्मत एक दिन में नहीं चमकती, लेकिन एक दिन जरूर चमकती है। रविवार का दिन दो गोल्फर के इसी तरीके का रहा। बात हो रही है पहला पीजीए टूर जीतने वाले जैक नेप और केन्या ओपन के रनर अप जो डीन की। गोल्फ के अलावा इनको जो चीज जोड़ती है, वो है इनके संघर्ष के बाद सफलता की कहानी। अमेरिकी गोल्फर जैक नैप ने दो शॉट से मैक्सिको ओपन जीतकर अपना पहला पीजीए टूर का खिताब जीता। यह नौवां मौका था, जब जैक ने पीजीए टूर में भाग लिया था। इस जीत के साथ ही उन्हें करीब साढ़े 11 करोड़ की प्राइज मनी भी मिली। जैक ने 2016 में गोल्फ करियर शुरू किया था, लेकिन 5 साल से ज्यादा का समय बीत जाने के बाद उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने गोल्फ छोड़ने का मन बना लिया था। 2021 में मनो चिकित्सक से मिलने के बाद वे मैदान पर लौटे। अगस्त 2022 में कनाडा पीजीए टूर पर सीएम आरसी चैम्पियनशिप जीतने के बाद पहली बार उनका नाम लोगों के सामने आया। टूर के दौरान वे एक नाइट क्लब में बार टेंडर के रूप में काम किया करते थे।

इंग्लैंड के गोल्फर डीन डिलिवरी ड्राइवर थे

दूसरी कहानी इंग्लिश गोल्फर जो डीन की है, जिन्होंने केन्या ओपन में संयुक्त रूप से दूसरा स्थान हासिल किया। जो डीन वर्ल्ड रैंकिंग में 2930वें स्थान पर हैं, ऐसे में उनका किसी टूर्नामेंट में दूसरे स्थान पर आना चौंकाने वाली बात है। इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि जो डीन इस टूर्नामेंट से एक हफ्ते पहले तक एक सुपरमार्केट में डिलिवरी ड्राइवर के तौर पर काम कर रहे थे और यदि उन्हें टूर्नामेंट में करीब डे? करो? रुपए का चेक प्राइज मनी में नहीं मिलता तो उन्हें फिर से अपनी जॉब पर लौटना पड़ता। यह प्राइज मनी बूस्टर की तरह है, जो उनके खेल करियर को रिवाइव करने में मदद करेगी।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

पूजा पर गई हैं आलिया की बेटी राहा *महेश भट्ट बोले-* दोनों में मासूमियत और जिंदगी के लिए भरपूर प्यास है

पूजा भट्ट ने पिता महेश भट्ट ने उनके लिए एक खास मैसेज शेयर किया है। मैसेज के साथ महेश भट्ट ने बताया है कि पूजा भट्ट की शक्ल उनकी सौतेली बहन आलिया भट्ट की बेटी राहा से मिलती है और दोनों कई मायनों में भी एक-दूसरे की तरह हैं। उन्होंने खुद इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। पिता के साथ एक तस्वीर शेयर कर पूजा ने लिखा, मेरे पिता की तरफ से एक नोट- पूजा जैसे ही मैं गनत्रा मेटरनिटी हॉस्पिटल के मंद रोशनी वाले गलियारे में कदम धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था, तो सूरज की रोशनी असली चमक बिखेर रही थी। जैसे ही मैंने कांच के दरवाजे से देखा, तो मेरी नजरें आप पर टिक गईं। आप एक दूसरे बच्चे के साथ में लेटी हुई थीं। आगे उन्होंने लिखा, मैं आपका गोल-मटोल चेहरा देखकर दंग रह गया। आप गुस्से मैं थीं, आपके अंदर का छोटा सा बागी देवताओं के लोक से इस कठिन दुनिया में आने का विरोध कर रहा था। तब से आपने जिंदगी का सफर शुरू किया, लड़खड़ाते हुए, ऊपर उठकर और आपने अपना रास्ता वैसे बनाया, जैसे सिर्फ आप ही बना सकती थीं। जिंदगी के हर मोड़ ने आपको वो बनाया, जो आप आज हैं, लेकिन अस्तित्व की नदी हमेशा बहती रहेगी। अपने नोट में आखिर में महेश भट्ट ने आलिया भट्ट की बेटी राहा का जिक्र कर लिखा है,

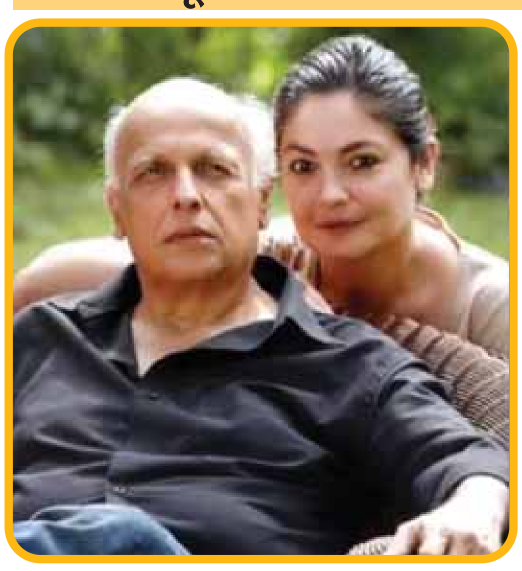

मुझे हमेशा से ही आप हमारी प्यारी राहा की तरह दिखती हैं, दोनों में मासूमियत और जिंदगी जीने की प्यास भरी हुई है। जन्मदिन मुबारक हो, मेरी प्यारी बच्ची। बताते चलें कि आलिया भट्ट ने 6 नवंबर 2022 को बेटी राहा को जन्म दिया था। राहा पूरे 15 महीनों की हो चुकी हैं। करीब एक साल तक राहा को दुनिया की नजरों से दूर रखने के बाद रणबीर कपूर और आलिया ने क्रिसमस के मौके पर राहा का चेहरा रिवील किया था। राहा की तस्वीरें सामने आने के बाद हर कोई उनके लुक की तुलना परदादा राज कपूर से कर रहा है।

मेट्रो बाजार

प्लेटिनम इंडस्ट्रीज के आईपीओ में निवेश का 29 तक मौका

मुंबई, एजेंसी

स्टेबलाइजर्स बनाने वाली कंपनी प्लैटिनम इंडस्ट्रीज लिमिटेड का आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए आज ओपन हो गया है। इसमें 29 फरवरी तक बोली लगा सकेंगे। 5 मार्च को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। प्लैटिनम इंडस्ट्रीज लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए 235.32 करोड़ जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 13,761,225 फ्रेश शेयर इश्यू करेगी। यह पूरी तरह से फ्रेश आईपीओ है, जिसमें कंपनी के मौजूदा निवेशक और प्रमोटर ऑफर फॉर सेल के जरिए एक भी शेयर नहीं बेचेंगे। प्लैटिनम इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 162-171 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 87 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 171 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,877 इन्वेस्ट करने होंगे। वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 1131 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 193,401 खर्च करने होंगे। आईपीओ ओपन होने के पहले कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 58 फीसदी यानी 100 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है। ऐसे में अपर प्राइस बैंड 171 के हिसाब से इसकी लिस्टिंग 271 पर हो सकती है। हालांकि, यह केवल अनुमान होता है, शेयर की लिस्टिंग की प्राइस ग्रे मार्केट की प्राइस से काफी अलग होती है।

सेंसेक्स 67 अंक गिरकर 72,723 पर खुला, निफ्टी में भी 32 अंक की गिरावट

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी 27 फरवरी को गिरावट देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 67 अंक की गिरावट के साथ 72,723 के स्तर पर खुला। वहीं निफ्टी में भी 32 अंक की गिरावट रही। ये 22,090 के स्तर पर ओपन हुआ। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 में गिरावट और सिर्फ 12 में तेजी देखने को मिल रही है। पेटीएम के शेयर में आज लगातार तीसरे दिन 5त्र का अपर सर्किट लगा है। प्लैटिनम इंडस्ट्रीज लिमिटेड का आईपीओ रिटेल निवेशकों के लिए आज यानी 27 फरवरी से ओपन हो रहा है। इसमें 29 फरवरी तक बोली लगा सकेंगे। 5 मार्च को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। प्लैटिनम इंडस्ट्रीज लिमिटेड इस आईपीओ के जरिए 235.32 करोड़ जुटाना चाहती है। प्लैटिनम इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 162-171 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 87 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 171 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,877 इन्वेस्ट करने होंगे। वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 1131 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 193,401 खर्च करने होंगे। इससे पहले कल यानी 26 फरवरी को शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 352 अंक की गिरावट के साथ 72,790 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 90 अंक की गिरावट रही थी। ये 22,122 के स्तर पर बंद हुआ था।

कार्तिक की फिल्म आशिकी-3 मुश्किलों से घिरी

कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी की अपकमिंग फिल्म 'आशिकी 3' फ्लोर पर आने से पहले ही मुश्किलों से घिर गई है। पहले तो फिल्म का नाम 'आशिकी 3' से बदलकर 'तु है आशिकी' कर दिया गया है। वहीं सोशल मीडिया पर लोगों का कहना है कि 'आशिकी 3' (तू है आशिकी) 1981 में रिलीज हुई फिल्म 'बसेरा' की रीमेक होगी। फिल्म 'बसेरा' के फिल्ममेकर रमेश बहल थे। अब दिवगंत फिल्ममेकर के परिवार वालों ने टी सीरीज के नाम से नोटिस जारी किया है। जारी किए गए नोटिस में टी सीरीज के मालिक भूषण कुमार से सवाल पूछा गया है। बता दें, आशिकी 3 (तू है आशिकी) के डायरेक्टर अनुराग बसु हैं। जूम इंटरव्यू के अनुसार रमेश बहल के परिवार वालों ने इसलिए नोटिस दिया क्योंकि फिल्म बिना उनकी इजाजत के बनाई जा रही है। जारी किए गए नोटिस में लिखा है कि 'बसेरा' का कोई प्लॉट, सीन, डायलॉग और कैरेक्टर बिना परमिशन यूज नहीं कर सकते। इस फिल्म के लीगल राइट्स हमारे पास हैं।

रणदीप हुड्डा ने खुद को कमरे में बंद किया था, वीर सावरकर की डेथ एनिवर्सरी पर दी श्रद्धांजलि

रणदीप हुड्डा अपनी अपकमिंग फिल्म 'स्वातंर्त्य वीर सावरकर' में स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर का किरदार निभाएंगे। वीर सावरकार की डेथ एनिवर्सरी के मौके पर रणदीप ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। उनके लिए पोस्ट शेयर करते हुए रणदीप ने लिखा- आज भारत माता के सबसे महान सपूतों में से एक की पुण्य तिथि है। रणदीप ने लिखा- एक नेता, निडर स्वतंत्रता सेनानी, लेखक, दार्शनिक और दूरदर्शी ह्नसावतंर्त्यवीरसावरकर। एक ऐसा व्यक्ति जिसकी तेज बुद्धि और साहस ने अंग्रेजों को इतना डरा दिया कि अंग्रेजों ने उन्हें दो जन्मों (50 वर्ष) के लिए कालापानी की इस 7 बाई 11 फुट की जेल में बंद कर दिया। वीर सावरकार की बायोपिक की रेकी के दौरान मैंने खुद को इस कोठरी के अंदर बंद करने की कोशिश की ताकि महसूस कर सकूं कि उन पर क्या गुजरी होगी। मैं 20 मिनट भी बंद नहीं रह सका जहां उन्हें 11 साल तक एकांत कारावास में बंद रखा गया था। रणदीप हुड्डा ने आगे लिखा- मैंने वीर सावरकर के धैर्य को इमेजिन किया, जिन्होंने कारावास के जुल्म और गैर-इंसानी हालात को बर्दाश्त किया और फिर भी सशस्त्र क्रांति लेकर आए और प्रेरणा देने में कामयाब रहे। उनकी मजबूती और योगदान को कंपेयर नहीं किया जा सकता है इसलिए दशकों से भारत विरोधी ताकतें आज भी उन्हें बदनाम करती रहती हैं, नमन। हिंदुत्व विचारधारा के समर्थक वीर सावरकर का जन्म 1883 में महाराष्ट्र में हुआ था और 1966 में उनकी मृत्यु हो गई थी। रणदीप हुड्डा द्वारा निर्देशित और जी स्टूडियोज, आनंद पंडित, संदीप सिंह,रणदीप हुड्डा और योगेश राहर द्वारा निर्मित ये फिल्म दो भाषाओं में रिलीज होगी। रणदीप हुड्डा की 'वीर सावरकर' हिंदी और मराठी में रिलीज होने के लिए तैयार है।

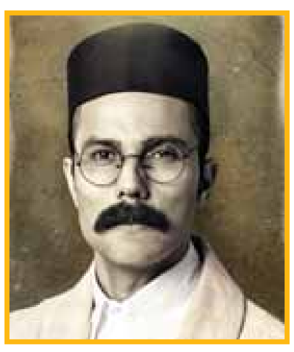

डीजीपी ने प्रशिक्षुओं को समझाया: तीन दिन तक और चलेगी विशेष क्लास

लोकसभा चुनाव प्रचार में खास लोगों की कैसे हो सुरक्षा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान मप्र आने वाले अति विशिष्ट और विशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा कैसी हो, इसके लिए क्या सावधानियां बरती जाए, यह बात डीजीपी सुधीर सक्सेना ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन प्रशिक्षुओं को बताई। उन्होंने कहा कोई भी चूक न हो, यह सुनिश्चित करना पहला काम होना चाहिए। प्रत्येक मापदंड पर सुरक्षा व्यवस्था को प्रोटोकाल से अलग स्तर पर परखा

होगा। बड़ी समस्या पैदा करने वाली कोई स्थिति पैदा न हो, यह देखना हमारा काम है। ये सभी सतर्कता अति विशिष्ट एवं विशिष्ट व्यक्तियों के आगमन पर होनी चाहिए। यह प्रशिक्षण विशेष शाखा प्रशिक्षण केंद्र में और तीन दिन तक चलेगा। लोकसभा चुनाव और वीवीआईपी भ्रमण के दृष्टिगत आयोजित किए जा रहे इस प्रशिक्षण कार्यक्रम 10 आईपीएस और 19 राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं।

डीजीपी ने यह भी कहा

- वीआईपी सुरक्षा महत्वपूर्ण है और लोकसभा चुनाव को लेकर वीआईपी सुरक्षा प्रासंगिक है। अपनी ओर से कोई कमी न छोड़ें और वीआईपी सुरक्षा के लिए जो भी संभव प्रयास कर सकते हैं, उन्हें लागू करें। वीआईपी सिक्योरिटी के दौरान प्रोटोकॉल के बजाय अपने लक्ष्य पर ध्यान दें और आसपास की सभी गतिविधियों पर नजर रखें।
- वीआईपी सिक्योरिटी के लिए वहां पर कार्यरत और उपस्थित आखिरी व्यक्ति तक को पूरी जानकारी होनी चाहिए कि कौन व कितने व्यक्ति कार्यक्रम में आएंगे, सभी अनुमतियां ले ली गई हैं या नहीं आदि। वीवीआईपी सुरक्षा में शामिल सिपाही से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक सभी आइडेंटिफाइड होने चाहिए। उन्होंने हेलीपेड पर, रास्ते में, जनसभा के दौरान या कारों का काफिला निकालने के दौरान वीवीआईपी सुरक्षा के लिए भी टिप्स दिये।

संक्षिप्त समाचार

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित गांव बीनापुर में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका मानसिक संतुलन कुछ समय से बिगड़ा हुआ था। परिजन उसका इलाज भी करा रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार मनोज नामदेव पिता मनदनलाल नामदेव (25) गांव बीनापुर में रहता था। उसका मानसिक संतुलन बिगड़ा होने के कारण वह घर में ही रहता था। परिजन ने बताया कि गांव में उनके दो मकान है। एक पुराना मकान जबकि दूसरा नया मकान है। नए मकान में रविवार को उद्घाटन किया गया। उद्घाटन में रिश्तेदार भी आए हुए हैं। सभी लोग पूजन पाठ में व्यस्त थे। रात में भोजन किया उस समय मनोज भी था। रात में सभी लोग नए मकान में सो गए। इस बीच मनोज पुराने घर पहुंचा और उसने फांसी लगा ली। सोमवार सुबह मनोज नजर नहीं आया तो उसे देखने परिजन पुराने घर पहुंचे थे। इस दौरान पता चला कि पुराने घर के दरवाजे की कुंदी अंदर से बंद है। किसी तरह दरवाजा खोला गया तो मनोज की लाश फांसी के फंदे पर लटकी मिली। सूचना पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव पीएम के लिए भेज दिया था। पुलिस को घटनास्थल से सुसाइड नोट नहीं मिला है।

ट्रक ने बोलेरो को मारी टक्कर, चालक और उसकी मां गंभीर

भोपाल। बिलखिरिया इलाके में रविवार की शाम एक तेज रफ्तार ट्रक ने बोलेरो जीप को टक्कर मार दी। इस हादसे में जीप चला रहे युवक और उसकी मां को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक कपिल कपोले (25) राजहर्ष कालोनी कोलार रोड पर रहते हैं और ट्रांसपोर्ट का काम करते हैं। कोकता ट्रांसपोर्ट निवासी सचिन मीना उनके यहां ड्रायवरी करता है। रविवार को सचिन अपनी मां कृष्णाबाई को उनकी जीप में बिठाकर रायसेन जा रहा था। कपिल भी अपने दोस्त के साथ बाइक से उसके पीछे चल रहे थे। शाम करीब पौने पांच बजे सचिन जीप लेकर रायसेन रोड स्थित इरशाद फार्म की गुलमोहर नर्सरी के पास पहुंचा, तभी रायसेन की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी बोलेरो को टक्कर मार दी। इस हादसे में ड्रायवर सचिन मीना और उसकी मां कृष्णाबाई गंभीर रूप से घायल हो गई। कपिल ने दोनों को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया और बाद में थाने जाकर ट्रक चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज करवाया।

पुलिस ने दोनों पक्षों पर दर्ज किया काउंटर प्रकरण

बच्चों के विवाद में दो पक्ष आमने-सामने, डंडे व पाइप से हमला, दर्जनभर घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। श्यामला हिल्स थाना क्षेत्र स्थित नाट्य विद्या मंदिर के पास गंगा नगर में कल शाम दो पक्ष आमने -सामने हो गए। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर हाथ मुक्के और डंडे समेत से हमला कर दिया। हमले की वजह बच्चों का विवाद बताया जा रहा है। इस बलवे में कोई गंभीर तो नहीं हुआ है, लेकिन हाथ मुक्कों और मारपीट में दोनों पक्ष के दर्जन लोग को मामूली चोट आई है।

पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से बलवा, मारपीट समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार अमृता उर्फ मंजू चौहान (37) गंगा नगर, श्यामला हिल्स में रहती हैं। इनकी बहन मंजू चौहान भी पड़ोस में रहती है। कल शाम करीब सात बजे दोनों के बच्चों का बॉल घर तक पहुंचने की बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्ष आमने सामने हो गए और एक दूसरे पर हाथ मुक्को और डंडे से हमला कर दिया।

दोनों पक्षों के ओर से आए दर्जनभर लोग

कहासुनी से शुरू हुए विवाद में दोनों पक्षों की ओर से एक दर्जन लोग आमने सामने हो गए ?थे। विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों के लोगों को थाने लेकर पहुंची और काउंटर प्रकरण दर्ज कर लिया। पुलिस ने बताया कि अमृता चौहान की शिकायत पर मंजू चौहान, दूधनाथ, विश्वनाथ, मुन्ना, सुभम, अमित, पवन, रीता, रानी लक्की और पल्लवी पर प्रकरण दर्ज किया गया है। इसी प्रकार 26 साल के लक्की चौहान की शिकायत पर राजू चौहान, मनीष, सोहेल, पिंकी अमन, संजय, संजय मेहतो, भोला, सफीक, भगवती, अमृता, तारा देवी, फूल कुमार, नीलम, पूजा, चंपा, गुड़िया, प्रियंका, अभिमन्यु, सुभम और बसंती के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

होमगार्ड और रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर दस लाख की ठगी

एमपी नगर पुलिस ने दो जालसाजों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। जालसाजों पर आरोप है कि उन्होंने होमगार्ड और रेलव में टीसी की नौकरी दिलाने के नाम पर दस लाख रुपए ऐंठे हैं। पुलिस ने कोर्ट के आदेश के बाद धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार अलकनंदा कांप्लेक्स एमपी नगर में दिलीप राजपूत का प्रापर्टी डीलिंग का ऑफिस है। दिलीप राजपूत का साथी प्रदीप विश्वकर्मा भी ऑफिस में बैठता था। मंडीदीप इलाके में रहने कमल सिंह पटेल ने जनवरी 2020 में नौकरी के लिए प्रदीप विश्वकर्मा और दिलीप राजपूत से संपर्क किया था। कमल सिंह के अलावा नेमीचंद लौवंशी व मानसिंह ने भी नौकरी के लिए उनसे संपर्क किया था। प्रदीप और दिलीप राजपूत ने रेलवे में टीसी और होमगार्ड विभाग में नौकरी लगाने का प्रलोभन देकर कमल पटेल से छह लाख, नेमीचंद से चार लाख व मान सिंह से छह लाख रुपए वसूल किए थे। एसआई मोहन वर्मा ने बताया कि आरोपियों ने और भी कुछ लोगों को नौकरी दिलाने का झांसा दिया था। कमल पटेल ने दो अन्य लोगों की रकम उक्त दोनों आरोपियों को दी थी। निर्धारित समय निकल जाने के बाद भी

जब नौकरी नहीं लगी तो पीड़ितों ने प्रापर्टी डीलर के ऑफिस के चक्कर काटना शुरू कर दिए। पहले तो आरोपी टाल-मटौल करते रहे लेकिन फिर बाद में ऑफिस में ताला डालकर फरार हो गए। पीड़ितों ने इस मामले में एमपी नगर थाने में शिकायती आवेदन दिया था लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने पर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के आदेश पर एमपी नगर पुलिस दिलीप राजपूत व प्रदीप विश्वकर्मा के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ट्रैफिक रोकने पर महिला ने आरक्षक के साथ की अभद्रता, केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा स्थित लालघाटी चौराहे पर वीवीआईपी ड्यूटी के दौरान ट्रैफिक रोकने पर एक महिला ने आरक्षक के साथ अभद्रता की और जबरन सड़क पार करने का प्रयास करते हुए शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई। पुलिस ने महिला के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक रविवार की शाम करीब सात बजे कोहेफिजा पुलिस थाने में पदस्थ स्टाफ को

लालघाटी चौराहे पर ड्यूटी के लिए लगाया गया था। इसी बीच वीवीआईपी कारकेड निकलने का संकेत मिला तो पुलिस ने चौराहे का ट्रैफिक रोक दिया। इसी बीच एक कार दुर्गा मंदिर के पास आकर रुकी। कार से एक महिला उतरी और जबरन सड़क क्रास करने लगी। पुलिस आरक्षक ने उसे रोकने का प्रयास किया तो वह अभद्रता करते हुए सड़क पार करने की जिद करने लगी। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने भी महिला को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह लगातार बहस करती रही। हालांकि स्टाफ ने उसे कारगेड निकलने से पहले सड़क नहीं क्रास करने दिया। बाद में ड्यूटी पर तैनात आरक्षक ने अज्ञात महिला के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का मामला दर्ज करवाया।

कैटरिंग का काम करने वाली महिला के साथ छेड़छाड़

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा पुलिस ने एक महिला की रिपोर्ट पर साथ काम करने वाले युवक के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक अशोका गार्डन इलाके में रहने वाली 26 वर्षीय महिला एक केटरिंग में काम करती है। रविवार रात को वह कोहेफिजा इलाके में स्थित एक कार्यक्रम में काम करने गई थी। रात करीब साढ़े ग्यारह बजे कार्यक्रम स्थल के पीछे की तरफ बाथरूम जा रही थी, तभी साथ काम करने वाले भोजराज ने उसे पकड़ लिया और मुंह दबाकर खींचने की कोशिश करने लगा। महिला ने शोर मचाया तो वह उसे छोड़कर भाग निकला। बाद में पीड़िता ने थाने जाकर उसके खिलाफ केस दर्ज करवा दिया।

मेट्रो एंकर बिजली अधिकारियों ने किया घटनास्थल का निरीक्षण, रिपोर्ट का इंतजार

एनजीओ के स्टेट प्रोग्रामर की फ्लैट में आग लगने से मौत, आज पीएम के बाद सौंपा शव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अवधपुरी में पांचवीं मंजिल स्थित फ्लैट में आग से जलकर हुई युवक की मौत के बाद सोमवार रात उनके परिजन भोपाल पहुंच गए। आज मंगलवार को शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया गया। पुलिस ने कल सोमवार को बिजली विभाग के अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कराया था। निरीक्षण रिपोर्ट मिलने के बाद पता चल सकेगा कि फ्लैट में आग लगाई थी अथवा शार्ट सर्किट के कारण आग लगी थी।

पुलिस के मुताबिक नक्षत्र इन्क्लेव के फ्लैट नंबर 502 में रहने वाले एस प्रदीप कुमार (46) रायपुर स्थित एक एनजीओ में स्टेट प्रोग्रामर थे। उनकी पत्नी निहारिका पंसोरिया (26) भोपाल में रहती थी और वह एक एनजीओ में काम करती है। शनिवार रात प्रदीप रायपुर से भोपाल आए

थे। देर रात पत्नी घर पहुंची तो उनका विवाद हो गया। विवाद के बाद प्रदीप ने पत्नी के साथ मारपीट करनी शुरू कर दी, जिसके कारण वह नीचे वाले फ्लैट में रहने वाले परिचित के घर चली गई। देर रात बिल्डिंग में लगा सायरन बचने पर सभी लोग बाहर निकले तो पता चला कि प्रदीप के फ्लैट में आग लगी है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। रविवार सुबह तलाश करने पर प्रदीप का शव फ्लैट के अंदर से जली हुई अवस्था में बरामद हुआ।

आज हुआ पीएम

प्रदीप मूलत- केरल के थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन सोमवार रात भोपाल पहुंचे और मंगलवार सुबह उनकी मौजूदगी में पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम के बाद परिजन को शव सौंप दिया गया। अब पुलिस को बिजली विभाग के अधिकारियों की रिपोर्ट का इंतजार है। रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तेज आवाज में डीजे बजाने वाले संचालक पर केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा पुलिस ने तेज आवाज में डीजे बजाने वाले संचालक के खिलाफ कोलाहल अधिनियम की धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने डीजे वाहन और सामग्री जब्त कर ली है। पुलिस के मुताबिक रविवार की शाम करीब साढ़े छह बजे सूचना मिली कि वीआईपी रोड पर वीवीआईपी मूवमेंट होने के बावजूद खानूगांव चौराहे पर एक व्यक्ति तेज आवाज में डीजे बजा रहा है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने डीजी संलाचक से पूछताछ की तो उसने अपना नाम राहुल रैकवार निवासी जवाहर चौक टीटी नगर बताया। पुलिस ने उसे डीजे बंद करने की समझाईश दी, लेकिन राहुल ने जब डीजे बंद नहीं किया तो पुलिस ने उसे जब्त कर उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

जहरीला पदार्थ खाकर युवक ने दी जान

भोपाल। स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित शंकराचार्य नगर में रविवार रात एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां इलाज के दौरान सोमवार सुबह उनकी मौत हो गई। अनुमान है कि उन्होंने कोई जहरीला पदार्थ खाया है। इसके अलावा यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि उनकी दमा सांस की बीमारी के लिए दवाई चल रही थी और उन्हें गलती से कोई और दवा खा ली। पुलिस ने शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार अजय मालवीय पिता जगन्नाथ मालवीय (48) मकान नंबर-203 शंकराचार्य नगर, स्टेशन बजरिया में रहते थे और प्राइवेट काम करते थे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022